अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
म्हारो लक्ष्य - राष्ट्र री प्रगति
स्थापित 1935

समाज विकास

आपणो समाज • एक समाज • श्रेष्ठ समाज

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• अगस्त २०२४ • वर्ष ७५ • अंक ०८
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

सम्मेलन केंद्रीय कार्यालय में स्वतंत्रता दिवस महोत्सव

७७वें स्वतंत्रता दिवस की वर्षगाँठ के अवसर पर केन्द्रीय कार्यालय के प्रांगण में झंडोत्तोलन करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया। चित्र में परिलक्षित हैं- सर्वश्री पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रुँगटा, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, निवर्तमान राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री द्वय संजय गोयनका, पवन जालान, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, आत्माराम सोंथलिया, नंदलाल सिंघानिया, शंकर कारीवाल, दीनदयाल सिंघानिया, राजेन्द्र राजा, सुनील अग्रवाल, अजय गुप्ता, श्याम अग्रवाल, सुदीप अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, विजय वशिष्ठ, सज्जन बेरीवाल, राजेश सोंथलिया, बाबूलाल बंका एवं अन्य

इस अंक में

संपादकीय

- हम कितने स्वतंत्र हैं ?

आपणी बात

- आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

विशेष पेज-१७

संस्कार-संस्कृति चेतना

- रक्षा बंधन
- बच्चों में देश प्रेम की भावना

प्रादेशिक समाचार

- उत्कल, महाराष्ट्र, पूर्वोत्तर, झारखंड, पश्चिम बंग, छत्तीसगढ़ कर्नाटक, गुजरात, सिक्किम

समाचार सार

- उपलब्धियाँ, आपणी धरोहर
- श्री लक्ष्मीनारायण डोकानिया का सम्मान समारोह

रपट

- स्वतंत्रता दिवस समारोह
- राष्ट्रीय महामंत्री का आंध्रप्रदेश दौरा
- सम्मेलन समाचार

स्वतंत्रता दिवस एवं रक्षा बंधन की शुभ कामनाएँ!

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®
CENTURYLAMINATES®
CENTURYVENEERS®
CENTURYDOORS®
CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates
CENTURYPVC®
CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board
CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*
zykron
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
SAINIK 710
WATERPROOF PLY
SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆ अगस्त २०२४ ◆ वर्ष ७५ ◆ अंक ८
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
संपादकीय : हम कितने स्वतंत्र है?	४
आपणी बात : शिव कुमार लोहिया आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज	५
रपट	
स्वतंत्रता दिवस समारोह	६
राष्ट्रीय महामंत्री का आंध्र प्रदेश दौरा	७
सम्मेलन समाचार	८
विशेष संस्कार-संस्कृति चेतना	
रक्षा बंधन बच्चों में देशप्रेम की भावना	१७
प्रादेशिक समाचार उत्कल, महाराष्ट्र, पुर्वोत्तर, झारखंड, पश्चिम बंग, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, सिक्किम	११-२०
समाचार सार उपलब्धियाँ, आपणी धरोहर, श्री लक्ष्मीनारायण डोकानिया का सम्मान समारोह	२१-२५, २६-२७
स्वास्थ्य ही धन है	२८
सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत	२९-३०

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

चिट्ठी आई है

सामाजिक जिम्मेदारी पालन करने के लिये साधुवाद

दिनांक १०.०८.२४ को राजस्थान के "नीमकाथाना" क्षेत्र से कुछ तीर्थयात्रियों का दल दक्षिण भारत तीर्थ करते हुए गंगासागर स्नान तीर्थ करके काकद्विप (सुन्दरवन जिला) में रात्रि विश्राम के लिये ठहरे थे, वहीं रात को अचानक एक तीर्थ यात्री "श्री मनोज कुमार मोर" की मृत्यु हो जाती हैं। अतः समुह के सभी सदस्यों व परिवार के लोगों का नये शहर में घबराना स्वाभाविक हैं, क्योंकि अस्वाभाविक मृत्यु के बाद में "थाना की कार्रवाई" व "पोस्ट मार्टम की लम्बी प्रक्रिया" मृतक के शरीर को व परिवार के अन्य सदस्यों (छोटे बच्चों सहित) कुचामन सिटी (राजस्थान) लेकर जाना आसान नहीं था।

तीर्थ यात्रा संचालकों ने कलकता में समाजसेवी श्री सुनील खेतान जी को सम्पर्क किया कि उपरोक्त सरकारी कार्रवाई में ज्यादा विलम्ब न हो, अतः सुनील जी से समय गँवायें बगैर तुरन्त कलकता में "अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन" के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी से सहायता का अनुरोध किया और उन्होंने क्षण गवायें बगैर तुरन्त फोन को कान्फ्रेंस लगाकर विशिष्ट समाजसेवी "श्री नथमल ब्रिजराजका जी" को घटना की जानकारी दी व उन्होंने तुरन्त फोन करके उचित सहयोग किया। यह हमारे समाज के लिये बहुत ही सराहनीय कदम हैं। मैं इसके लिये साधुवाद देना चाहता हूँ। मृतक के भाई श्री राजेश मोर जी ने भी सहयोग के लिये साधुवाद कहा हैं।

– सुनील खेतान
(समाज सेवी), कलकता

आदरणीय शिव कुमार लोहिया जी एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के समस्त सदस्यगण,

मुझे प्रथम पुरस्कार विजेता के रूप में सम्मानित करने के लिए मैं आप सभी का दिल से आभार व्यक्त करता हूँ। यह मेरे लिए अत्यंत गर्व और खुशी की बात है कि मेरे प्रयासों को आप सभी ने इस महत्वपूर्ण मंच पर सराहा है।

आपके द्वारा दिए गए इस सम्मान ने मुझे और अधिक समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ समाज के विकास और कल्याण के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी है।

एक बार फिर से, इस अनमोल सम्मान के लिए मैं तहे दिल से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

– मनोज शर्मा
सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर **मद्यपान** करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

हम कितने स्वतंत्र है?

हम मानते हैं कि १५ अगस्त १९४७ को हम स्वाधीन हुए थे। स्वाधीनता के अनेक रूप हो सकते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति श्री फ्रैंकलिन रूजवेल्ट ने ६ जनवरी १९४१ को अपने भाषण में स्वाधीनता का एक प्रारूप प्रस्तुत किया था। उनके अनुसार स्वाधीनता के निम्नलिखित बिंदु होते हैं :-

१. बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता।
२. अपने तरीके से अराधना करने की स्वतंत्रता।
३. अभाव से मुक्ति व असमानता से मुक्ति।
४. भय से मुक्ति।

इस भाषण में रूजवेल्ट ने कहा-"एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र की नींव के बारे में कुछ भी रहस्यमय नहीं है। हमारे लोगों की अपनी राजनीतिक और आर्थिक प्रणालियों से जो बुनियादी चीजे अपेक्षित है, वे है :

- युवाओं एवं अन्य लोगों के लिए अवसर की समानता।
- जो लोग काम कर सकते हैं उनके लिए नौकरियां।
- जिनको इसकी आवश्यकता हो उनके लिए सुरक्षा।
- सभी के लिए नागरिक स्वतंत्रता का संरक्षण।
- वैज्ञानिक प्रगति के फल का व्यापक एवं निरंतर बढ़ते जीवन स्तर में आनन्द लेना।

यह सरल बुनियादी चीज हैं जिन्हें हमारे आधुनिक दुनिया की उथल-पुथल और अविश्वसनीय जटिलता में कभी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। हमारी आर्थिक एवं राजनीतिक व्यवस्थाओं की मजबूती इस बात पर निर्भर करती है कि किस हद तक इन अपेक्षाओं की पूर्ति होती है।"

अगर इन सब बातों के मूल भावना को देखें तो हम यह कह सकते हैं की स्वतंत्रता का मूल तत्व है मानव में आपसी विभेद का अंत। जो भी समान अवसर, सुविधा या सुरक्षा की बात कही गई है वह बिना किसी भेदभाव के प्रत्येक नागरिक को समान रूप से मिलना चाहिए। इस परिप्रेक्ष्य में हम कितने स्वतंत्र हैं इसका हमें मूल्यांकन करना है। अक्सर वोट के अधिकार को ही हम स्वतंत्रता समझ लेते हैं। स्वतंत्रता के अन्य बिंदुओं पर अगर नजर दौड़ाएंगे तो हम पाएंगे कि हमें आज भी विभिन्न भेदभाव के मध्य गुजारा करना पड़ रहा है। प्रकृति या ईश्वर के विधान के अनुसार प्रत्येक मनुष्य को समान क्षमता का शरीर प्राप्त होता है परंतु हम इंसान को नस्ल, धर्म, राजनीति एवं धन के अनुसार अलग मापदंडों से मापते हैं। इसीलिए कहा गया है कि हम सभी तब तक इंसान थे जब तक की नस्ल ने एक दूसरे के जुड़ाव को काट नही दिया, धर्म ने हमें विलग नहीं कर दिया, राजनीति ने हमें विभाजित नहीं कर दिया और धन ने हमें वर्गीकृत नहीं कर दिया।

स्वतंत्रता की भावना है कि समाज में शोषण एवं शासक नहीं रहेंगे। हम स्वयं पर शासन करेंगे। गांधी जी ने कहा था कि जब हम स्वयं पर शासन करना सिखते हैं तभी स्वराज है। स्वतंत्रता में विवेकपूर्ण निर्णय का महत्व होता है। अभी तक हम सबको समान अवसर एवं समान सुरक्षा प्रदान नहीं कर पाए, यह एक ध्रुव सत्य है। आज महिलाओं पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। अस्पतालों में मरीजों के शारीरिक अंगों को निकाल कर बेच दिया जाता है। वर्तमान स्वास्थ्य व्यवस्था की त्रासदी सभी नागरिक झेल रहे हैं। बेरोजगारी की स्थिति भयावह है। शिक्षा व्यवस्था चरमरा रही है शिक्षक गुणवत्ता की जगह रिश्वत के आधार पर नियुक्त हो रहे हैं। अमीर एवं गरीबों के बीच खाई बढ़ती जा रही है। साधारण नागरिक के लिए न्याय व्यवस्था से किसी प्रकार के न्याय की आशा एक मृग मरीचिका के समान है। खाद्य पदार्थों में खुले आम व्यापक स्तर पर मिलावट हो रहा है, फल स्वरूप लोग बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है। देश की जनता भ्रमित है, बेबस है। उन्हें बहलाने के लिए स्वतंत्रता के नाम का खिलौना दे दिया गया है। राजनीति में अपराधियों की पुरजोर पकड़ हो गई है। जब तक हम अपने आप को संकुचित विचार धाराओं, संकुचित मनोभावों एवं संकुचित सोच से मुक्त नहीं करेंगे तब तक हम स्वतंत्र नहीं हो सकते। अधिकांश लोग स्वयं के स्वार्थ सिद्धि में रत हैं। आज भ्रष्टाचार पूरे समाज व्यवस्था को खोखला कर चुकी है। मानव धन पाने की लालसा में कुछ भी कर गुजरने में नहीं हिचकिचाता है। धर्म एवं अधर्म, अच्छे एवं बुरे कर्म में सारे भेद मिट चुके हैं। मद्यपान, ड्रग्स एवं बुरी आदतों में महिलाएं पुरुषो के पीछे छोड़ने की होड में लगी है। सफलता एवं विकास का एकमात्र मापदंड धन रह गया है। अपराध बेलगाम हो रहे हैं। समाज को विभाजित करने के लिए सभी प्रकार के हथकंडे सरेआम अपनाए जा रहे हैं। हमारे पड़ोस में चारों ओर अशांति का माहौल है। ऐसी स्थिति में समाज को विघटन से बचना होगा। वंचितों को समान अधिकार एवं समान अवसर प्रदान करने होंगे। शिक्षा एवं न्याय प्रणाली में आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता मुंह बाए खड़ी है, जिसके बिना स्वतंत्रता का कोई अर्थ नहीं होता। दिनकर जी की पंक्तियां पर हम सभी को गौर करना चाहिए:

समर शेष है नहीं पाप का भागी केवल ब्याध
जो तटस्थ हैं समय लिखेगा उनके भी अपराध

स्वतंत्रता और स्वच्छंदता में भेद समझकर हमे अपनी जिम्मेदारियां को विवेकपूर्ण तरीके से निभाना होगा। तभी हम वास्तविक रूप से स्वाधीन होंगे। जिम्मेदारियों के अभाव में स्वतंत्रता मात्र एक अराजकता है।

आपणी बात

आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज

१९३५ में सम्मेलन ने सामाजिक विषयों को अपने उद्देश्य में नहीं लिया ताकि आपस में फूट ना पड़े और मारवाड़ी शब्द के अंतर्गत आने वाली सभी जातियों के व्यक्ति इसमें सम्मिलित होकर काम कर सके। संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय रामदेव चोखानी ने अपने वक्तव्य में इसी भावना को व्यक्त करते हुए कहा था– **"जिस महान एवं पवित्र उद्देश्य को लेकर हम लोग आज यहां उपस्थित हुए हैं वह है संपूर्ण मारवाड़ी समाज का सामूहिक संगठन, जिससे समाज की विभिन्न शाखाएं संबद्ध हो।"** प्रथम सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष स्वर्गीय शिव कृष्ण जी भट्टर ने कहा था– "यह सम्मेलन हमारे इतिहास में एक खास स्थान रखता है। आज से पहले विभिन्न अंगों की जातीय सभाए हुई है। किंतु यह प्रथम अवसर है कि हमारे सब अंग एक स्थान में एकत्रित होकर अपनी समस्याओं को हल करने की चेष्टा कर रहे हैं। किसे आनंद नहीं होगा कि इस साल क्या प्राचीन क्या नवीन क्या युवा क्या वृद्ध सभी एक सूत्र में आबद्ध होकर अपने जातीय जीवन की विभिन्न गुत्थियों को सुलझा कर अपने गौरवपूर्ण ध्येय को प्राप्त करने के लिए अग्रसर हो रहे हैं?"

सम्मेलन ने १९३७ में पांच विभाग की घोषणा की– संगठन विभाग, व्यापार विभाग, राजनीतिक विभाग, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग। सम्मेलन का दूसरा अधिवेशन १३-१४-१५ मई १९३८ को कोलकाता के मोहम्मद अली पार्क में आयोजित हुआ। इस बीच सम्मेलन का चारों तरफ विस्तार हो चुका था। जब सम्मेलन के दुसरे अधिवेशन के सभापति स्वर्गीय पदम पत सिंघानिया का ८० प्रतिनिधियों के साथ एक स्पेशल ट्रेन द्वारा आगमन हुआ, तब हावड़ा स्टेशन समाज बंधुओ से खचाखच भरा हुआ था। चारों तरफ रंग-बिरंगी पगड़िया दिखाई दे रही थी। कलकत्ते के मारवाड़ी समाज के इतिहास में शायद यह पहली बार हुआ कि सभी जातियों और विचारों के इतने भाई इकट्ठे हुए हो। इस समागम में गुरु पाठशालाओं के लगभग १००० छात्र जो सम्मेलन के तत्वावधान में व्यायाम की शिक्षा पा रहे थे, भी शामिल थे। स्व पदम पत सिंघानिया ने अपने भाषण में कहा– "ब्राह्मण ओसवाल माहेश्वरी अग्रवाल खंडेलवाल इत्यादि सबको उपस्थित पाकर और उनके चेहरे पर अंकित देश तथा समाज के उद्धार की लगन देखकर मुझे जो प्रसन्नता होती है, वह केवल अनुभव की वस्तु है।" १९४३ में पंचम अधिवेशन में सभापति स्वर्गीय रामगोपाल मोहता ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा– "अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के मंच पर हम लोग सभी जाति उपजाति एवं फिरको के राजस्थान निवासी मारवाड़ी कहलाने वाले लोग बिना किसी भेदभाव के एकत्र होकर सामुहिक रूप से अपना संगठन करके अपना सर्वांगीण उन्नति करते हुए अपने उचित स्वरूपों और अधिकारों की रक्षा करने के लिए कटिबद्ध हो रहे हैं। पृथक पृथक फिरको के सम्मेलनों का जमाना अब खत्म हो चुका है।

इन बातो से स्पष्ट है कि सम्मेलन के संस्थापकों एवं बाद के अध्यक्षों का यह प्रथम उद्देश्य एवं लक्ष्य रहा है कि सम्मेलन मारवाड़ी समाज के सभी घटकों का प्रतिनिधित्व करें। इस उद्देश्य की पूर्ति में सम्मेलन को आशातीत सफलता भी मिली। सम्मेलन के अधिवेशन में हजारों की संख्या में समाज बंधु भाग लेते रहे। उस स्थिति में परिवर्तन घटित हुआ है। सम्मेलन पूरे प्रवासी मारवाड़ी समाज की एकमात्र राष्ट्रीय प्रतिनिधि संस्था के रूप में जानी जाती है। इसके संविधान के अनुसार मारवाड़ी की परिभाषा है– "राजस्थान हरियाणा मालवा एवं उनके निकटवर्ती भू भागों के रहन-सहन भाषा एवं संस्कृति वाले सभी व्यक्ति जो स्वयं अथवा उनके पूर्वज देश या विदेश के किसी भू-भाग में बसे हो।" सदस्यों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। पर सदस्यो की सक्रियता से ही सम्मेलन को गति मिलती है। समग्र समाज को फिर से एक सूत्र में पिरो कर सम्मेलन के छत के तले एक मजबूत संगठन का आगाज करना आज के समय की मांग है। अपने विशिष्ट गुणो के कारण मारवाड़ी समाज सब की नजरों में चढ़ा रहता है। हाल ही में दक्षिण भारत में मारवाड़ी विरोधी मानसिकता पर जैन मुनि आचार्य श्री विमल सागर सूरी जी ने कहा– "मारवाड़ी के विरुद्ध में माइक पर बोला गया तो कोई उनसे पूछा कि क्या गलती है मारवाड़ियों की? वह अन्याय करते नहीं, अनीति करते नहीं, अत्याचार करते नहीं, क्राइम करते नहीं, किसी का खून नहीं करते, आग लगाते नहीं, मारते नहीं, हड़ताल करते नहीं, रैलिया निकालते नहीं, तोड़फोड़ करते नहीं, अराजकता फैलाते नहीं, चुप रहते हैं, अहिंसक हैं, शाकाहारी है। फिर तुम उनको गालियां क्यों देते हो? क्यों नहीं कोई बोला– नहीं बोलेगा क्योंकि आप कमजोर हो, नासमझ हो, बंटे हुए हो, बिखरे हुए हो, ताकत नहीं है.....। आज लड़ाकू एवं वोट बैंक वालों की ही पूछ है।"

सम्मेलन ने इस वर्ष का नारा इन्हीं बातों को ध्यान में रखते हुए दिया है– **'आपणो समाज - एक समाज - श्रेष्ठ समाज'**। समाज में जो बिखराव है; हम स्वयं को भिन्न-भिन्न घटकों में बांट रखे हैं, उससे हमें ऊपर उठना होगा। अपनी आवाज को सशक्त करनी है तो समाज को संगठित होना होगा। मैं सभी बंधुओ से अनुरोध करूंगा कि एकबद्ध होकर समाज के सामूहिक चुनौतियों का सामना करने की आज आवश्यकता है। एकता के अभाव में हमारे हमारा धन और रुतबा सब धरा का धरा रह जाएगा।

शिव कुमार लोहिया

जिम्मेदारी के बिना स्वतंत्रता अराजकता में परिणित हो जाती है – शिव कुमार लोहिया

स्वाधीनता दिवस के अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया द्वारा झंडोत्तोलन किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए लोहिया ने कहा कि जिम्मेदारी के बिना स्वतंत्रता अराजकता में परिणित हो जाती है। उन्होंने गांधी जी के शब्दों को दोहराया कि जब हम स्वयं पर शासन करना सिखते हैं तभी स्वराज है। स्वाधीनता का अर्थ मुख्यतः अभिव्यक्ति एवं आराधना की स्वतंत्रता से है। साथ ही साथ इसमें अभाव एवं भय से मुक्ति का भी महत्व रहता है। आज विश्व बहुत नाजुक दौर से गुजर रहा है। कई स्थानों पर परिस्थितियां विस्फोटक भी हो सकती है। बांग्लादेश में घट रहे परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत को इस विषय में सावधान रहने की आवश्यकता है। ऐसे माहौल में हर नागरिक का पुनीत कर्तव्य बनता है कि हम ऐसा कोई भी काम ना करें जिससे कि समाज एवं राष्ट्र को क्षति पहुँचे। आपस की सद्भावना एवं सहयोग को मजबूत करने के लिए हमें हर संभव प्रयास करने चाहिए। आज छोटे-छोटे बच्चे हिंसा में लिप्त हो रहे हैं। इसके पीछे मुख्य कारण है कि हम उन्हें अपने आचरण के द्वारा सही संस्कार नहीं दे पा रहे हैं। इस मामले में पूरी सावधानी बरतनी है ताकि हम अपने बच्चों को अच्छे संस्कार दे सकें। उन्होंने कहा कि सम्मेलन का लक्ष्य ही है राष्ट्र की प्रगति। हमारा पूरा समाज राष्ट्र की प्रगति के लिए प्रतिबद्ध है एवं हम संकल्पबद्ध होकर इस कार्य में जुटे हुए हैं। उन्होने समाज के सभी घटकों से अपील की कि सम्मेलन के वर्तमान नारे **'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज'** को चरितार्थ करने के लिए सब एकबद्ध हो।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने कहा कि सम्मेलन प्रांतो में बसता है। प्रांत मजबूत होते हैं तो सम्मेलन मजबूत होता है। उन्होंने वर्तमान पदाधिकारियो की कार्य प्रणाली पर साधुवाद ज्ञापित करते हुए कहा वर्तमान मे जिस प्रकार विभिन्न प्रांतो में दौरे हो रहे हैं, उस कारण संगठन में मजबूती आई है। सदस्यों की भूमिका का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को सक्रिय रूप से सम्मेलन के कार्यक्रम में भाग लेना चाहिए। समाज सुधार पर हम निरंतर काम करते रहे इसको हमें सुनिश्चित करना है।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नंदलाल रूंगटा ने कहा अंदर की ताकत ही समाज को खोखला करती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम स्वयं मर्यादित हो एवं समाज को विभाजित होने से रोके। हमें ज्यादा से ज्यादा राजस्थानी भाषा का उपयोग करना चाहिए। हमारी मातृभाषा राजस्थानी विलुप्त ना हो इसका हमें ध्यान रखना चाहिए। इसकी शक्ति कैसे बढ़े और इसका प्रचार एवं प्रसार हो, इस बात पर हमें जोर देने की आवश्यकता है। उन्होने बताया कि सदस्य ही किसी संस्था की शक्ति होती है एवं समाज में प्रत्येक व्यक्ति महत्वपूर्ण है।

पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भानीराम सुरेका ने सम्मेलन के वर्तमान कार्यक्रमों पर संतोष प्रकट किया एवं उन्होंने समाज में एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जाति, धर्म के नाम पर देश को बांट ने की कोशिश की जा रही है जिसको हमें असफल करना है। नंद लाल सिंघानिया ने कहा देश के इतिहास को गलत ढंग से पेश किया गया है, हमें सही इतिहास के बारे में जानने की आवश्यकता है। आत्माराम सोंथालिया ने कहा कि समाज अभी संगठित नहीं है, हमें समाज को और अधिक संगठित करने की आवश्यकता है। इस दिशा में सम्मेलन को और अधिक ध्यान देने की जरूरत है। समाजसेवी शंकर कारीवाल ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर आज तक सभी क्षेत्रों में मारवाड़ियों का बहुत योगदान रहा है। देश को कमजोर करने की साजिशों से हमे सावधान रहना है। देश के भीतर एक लड़ाई चल रही है, उसको हमें असफल करना है। प्रदीप जीवराजका ने रामधारी सिंह दिनकर की मशहुर कविता **'समर शेष है!'** का पाठ किया। दीनदयाल धनानिया ने भी अपने वक्तव्य रखें। राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता ने कार्यक्रम का संचालन किया एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन जालान ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

कार्यक्रम मे राष्ट्रीय महासचिव कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री संजय गोयनका, राजेश सोंथलिया, बाबूलाल बंका, सुरेश अग्रवाल, पियूष क्याल, राजेंद्र राजा, सुनील अग्रवाल, अजय गुप्ता, श्याम अग्रवाल, सुदीप अग्रवाल, प्रमोद शर्मा, विजय वशिष्ठ, सज्जन बेरीवाल एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

राष्ट्रीय महामंत्री का आंध्र प्रदेश दौरा

राष्ट्रीय पदाधिकारीयों के प्रांतीय दौरो की श्रृंखला में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने शुक्रवार २३ अगस्त २०२४ को श्रीशैलम स्थित सबसे प्रसिद्ध तीर्थस्थल मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर में भगवान भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग के दर्शन के पश्चात आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आमंत्रण पर विजयवाड़ा पहुँचे। शाम लगभग ६.३० बजे विजयवाड़ा स्टेशन पर प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल एवं आंध्र प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय महामंत्री एवं धर्मपत्नि श्रीमती मधु तोदी को शॉल एवं गुलदस्ता देकर स्वागत किया गया। रात्रि का भोजन प्रांतीय महामंत्री श्री बालकिशन लोया के निवास स्थान पर हुआ। वहाँ सम्मेलन के कई आंध्र प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य मौजुद थे।

शनिवार २४ अगस्त २०२४ को प्रातः नास्ते के पश्चात प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जी अग्रवाल एवं निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री चांदमल जी अग्रवाल के साथ आंध्र प्रदेश में कृष्णा नदी पर बने प्रकाशम बैराज का भ्रमण किया फिर कनक दुर्गा मंदिर आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में स्थित देवी दुर्गा का प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है। मंदिर कृष्णा नदी के किनारे, इंद्रकीलाद्री पहाड़ी पर स्थित है। वहाँ सपरिवार सभी ने वीआईपी दर्शन किए। तत्पश्चात श्री बाबा रामदेव मंदिर जो प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश जी अग्रवाल की अध्यक्षता में संचालित है, उनके भी दर्शन किए। मंदिर प्रबंधन की ओर से हम सभी का शॉल एवं दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। उसके बाद दोपहर का भोजन प्रांतीय महामंत्री श्री बालकिशन जी लोया के यहाँ किया गया; वहाँ पर सूरत निवासी वास्तु शास्त्र के विद्वान श्री महेश कुमार जी गोडंलिया से मुलाकात हुई एवं वास्तु संबंधित चर्चाएं हुई। तत्पश्चात होटल श्रवण पैलेस में स्थानीय विजयवाड़ा, राजमुंदड़ी, विशापट्टनम, गुंटुर, श्रीकाकुलम, आदि शाखाओं के सदस्यों एवं पदाधिकारीयों के साथ एवं अनऔपचारिक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अपने-अपने क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों ने अपने क्षेत्रों में अपने-अपने कार्यक्रमों के बारे में जानकारियाँ साझा की, तदोपरांत राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने राष्ट्र के द्वारा किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों के बारे में सभा को अवगत कराया। इस बैठक में मुख्यत: बात यह रही की उस बैठक के ६ सदस्यों

ने विशिष्ट संरक्षक सदस्य बनने की अपनी इच्छा व्यक्त की। इस बैठक में श्री मनोज जी जैन, बलांगीर, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी उपस्थित थे।

रविवार २५ अगस्त २०२४ को सुबह ९.०० बजे तुम्मलपल्ली कलाक्षेत्रम आडिटोरियम, विजयवाड़ा के प्रवेश द्वार पर सपत्निक राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी एवं श्री महेश जी गोंडलिया, वास्तु विशेषज्ञ का बड़ी धुमधाम से माला पहनाकर स्वागत किया गया। आंध्र प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन, विजयवाड़ा द्वारा सुख, समृद्धि, सफलता, आरोग्य, परिवार एवं व्यवसाय में वास्तु शास्त्र की भूमिका एवं उपयोगिता पर आधारित सेमिनार एवं प्रश्नोत्तरी **'वास्तु से सफलता की ओर'** में सूरत निवासी वास्तु विशेषज्ञ श्री महेश कुमार जी गोडंलिया के द्वारा लोगों की वर्तमान एवं भविष्य की समस्याओं को सुनकर उनका निर्वारण करने के उपायो को बताया, एवं कैसे लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का एक निरंतर प्रवाह बना रहे है उस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि वास्तु के नियमों के पालन से शारीरिक स्वास्थ्य, सुख समृद्धि में वृद्धि होती है। वास्तु में दिशाओं के अनुसार हर कार्य करने का नियम बताया, कौन सी वस्तु किस दिशा में होनी चाहिए इसके बारे में भी उन्होंने बताया। इस सेमिनार में भाग लेने के लिए सदस्यों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। पूरा हॉल दर्शकों से खचाखच भरा हुआ था।

इस समारोह में राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने अपने उद्बोधन में सम्मेलन एवं सम्मेलन की गतिविधियों एवं कार्यक्रम के बारे में लोगों को जानकारीयां दी एवं लोगो को सम्मेलन के साथ जुड़ने एवं सम्मेलन के साथ मिलकर कार्य करने का आह्वान किया। प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री बालकिशन लोया, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल, ओडिशा से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्री मनोज जैन, आंध्र प्रदेश के प्रांत एवं शाखा के पदाधिकारीगण एवं उनकी टीम का राष्ट्रीय महामंत्री ने आभार प्रकट किया।

दवा व्यापारी बलराम केडिया के पुत्र रौनक की हत्या के चार दिन गुजर गए। लेकिन हत्यारे पकड़ से बाहर है। व्यापारियों में गुस्से के साथ दहशत फैली है। रविवार को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का एक शिष्टमंडल राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया के नेतृत्व में भागलपुर के एसएसपी आनंद कुमार से मिला। और हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की। एसएसपी ने बड़े ध्यान से शिष्टमंडल की बातें सुनी और भरोसा दिलाया कि दोषी जमीन के अंदर भी छुपे होंगे तो एसआईटी ढूंढ निकालेगी। सबूतों के साथ दोषी सामने आना चाहिए। वह जल्द लाएंगे। थोड़ा सब्र तो रखना होगा। उनकी बातों से शिष्टमंडल भरोसे में आया। और सही नतीजे के लिए थोड़ा वक्त का इंतजार तो करना ही चाहिए। लेकिन यह घटना बड़ी शर्मनाक है। जिसकी जितनी निंदा करनी चाहिए। यह असहनीय वारदात लोमहर्षक है। यह ध्यान रहे की अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया कोलकाता से और प्रादेशिक अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल पटना - सुपौल से एक दिवसीय दौरे पर भागलपुर आएं थे। एसएसपी को इन्होंने कोलकाता से हरेक महीने प्रकाशित समाज विकास पत्रिका भी दी। भागलपुर के तेजतर्रार एसएसपी आनंद कुमार ने बड़े सरल और मृदु स्वभाव के है। जिन्होंने एक अनुरोध पर रविवार होते हुए भी अपने आवास वाले कार्यालय पर हमें बुलाया। समाज के लिए जो जीता है उसे ही समाज सम्मान देता है।

फोटो - भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार को रौनक केडिया हत्या कांड के दोषियों को गिरफ्तार करने के लिए स्मारकपत्र देते हुए अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार लोहिया, प्रादेशिक अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल, प्रादेशिक संयुक्त सचिव अभिषेक जैन, प्रादेशिक कार्यसमिति सदस्य गिरधारी लाल जोशी और प्रादेशिक प्रमंडलीय मंत्री विनय डोकानिया।

फोटो - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, प्रांतीय अध्यक्ष जुगल किशोर अग्रवाल एवं भागलपुर शाखा के सदस्यों के साथ शोकाकुल केडिया परिवार के साथ मुलाकात किए एवं पुलिस अधीक्षक के साथ हुई वार्तालाप के विषय में बताया उन्होंने आश्वस्त किया की इस वारदात में आपको न्याय मिलेगा।

सम्मेलन समाचार

पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य – लोहिया

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं सीमांत मुख्यालय बीएसएफ दक्षिण बंग के संयुक्त तत्वावधान में राजारहाट कैंपस में वृक्षारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ, जिसका नेतृत्व अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया एवं बीएसएफ दक्षिण बंगाल

के आईजी मनिंदर प्रताप सिंह पवार ने किया। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री पवन जालान, संतोष मोहता आदि ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के तहत विभिन्न फलों के प्रजाति के वृक्षारोपण किए गए। इस अवसर पर बोलते हुए श्री लोहिया ने बीएसएफ के प्रति आभार प्रकट किया एवं बीएसएफ के सभी केन्द्रों में वृक्षारोपण की संभावना पर विचार विमर्श किया। आईजी पवार ने सबका स्वागत किया एवं सम्मेलन के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। बीएसएफ की ओर से अमरीश कुमार आर्य, श्री नीलोत्पल कुमार दुबे आदि के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम संपन्न हुआ।

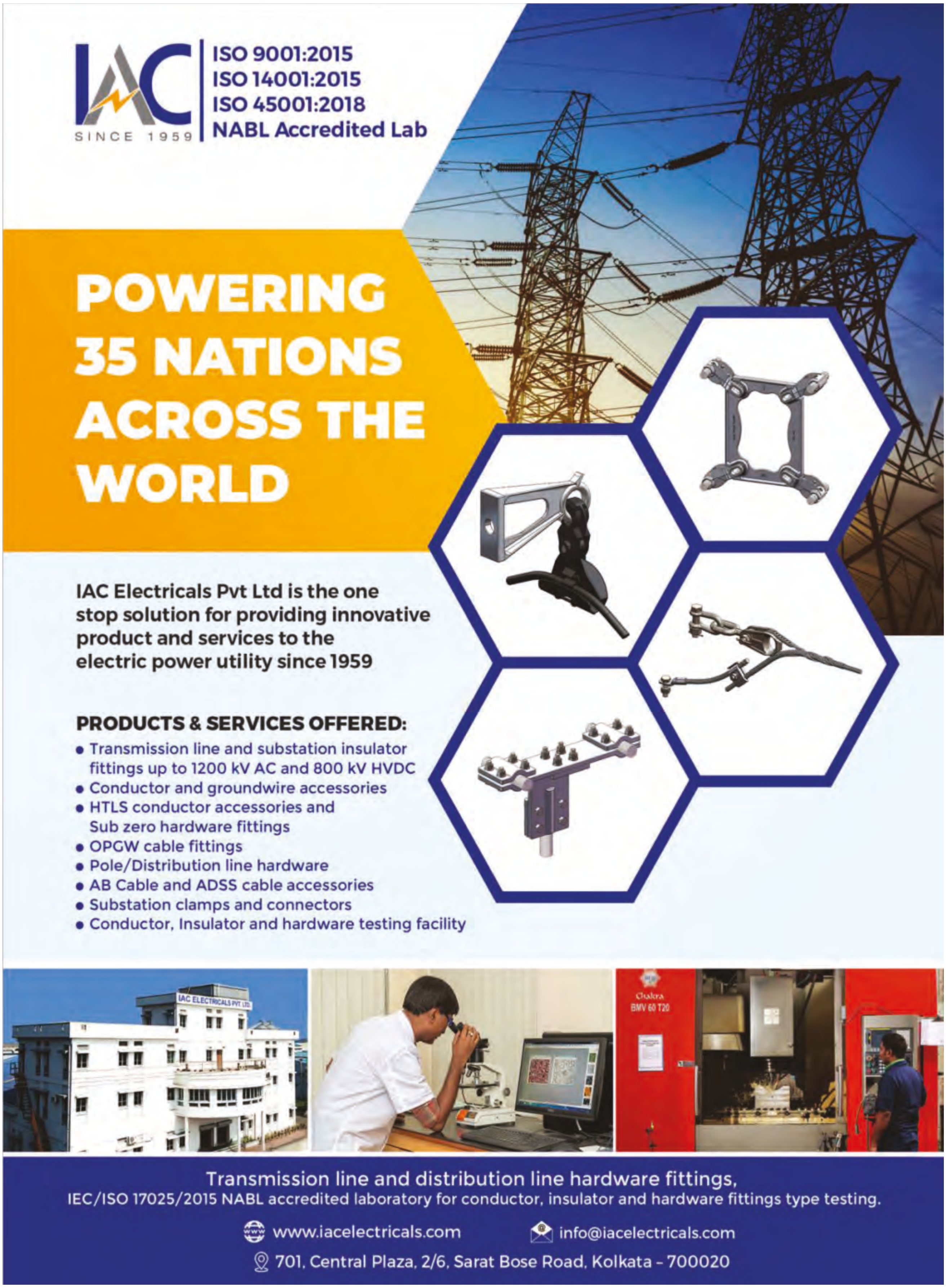
IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 35 NATIONS ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
• Transmission line and substation insulator fittings up to 1200 kV AC and 800 kV HVDC
• Conductor and groundwire accessories
• HTLS conductor accessories and Sub zero hardware fittings
• OPGW cable fittings
• Pole/Distribution line hardware
• AB Cable and ADSS cable accessories
• Substation clamps and connectors
• Conductor, Insulator and hardware testing facility
IAC ELECTRICALS PVT LTD
Transmission line and distribution line hardware fittings,
IEC/ISO 17025/2015 NABL accredited laboratory for conductor, insulator and hardware fittings type testing.
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata - 700020

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
- Radiology
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- Cardiology
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- Wide Range of Pathology
- Pulmonary Function Test
- UGI Endoscopy / Colonoscopy
- Physiotherapy
- EEC / EMG / NCV
- General & Cosmetic Dentistry
- Elder Care Service
- Sleep Study (PSG)
- EYE / ENT Care Clinic
- Gynae and Obstetric Care Clinic
- Haematolgy Clinic
- Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
- Health Check-up Packages
- Online Reporting
- Report Delivery

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

सीतारामजी का सम्मान

२९ सितंबर २०२४ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, महिला सम्मेलन, युवा मंच द्वारा हमारे माटी के सुयोग संतान तथा नवनिर्वाचित कर्नाटक प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल का सम्मान किया गया।

सेवा सदन में आयोजित इस कार्यक्रम में अपने उद्‌बोधन में श्री सीताराम जी ने कहा की आज समाज में अगर सबसे ज्यादा जरूरत है तो वो है एकता का। उन्होंने कहा की २४/७ बैंगलोर में किसी भी सदस्य को कोई भी कार्य हो तो वे हाजिर रहेंगे।

श्रावण मास की सेवा

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की खड़ियार शाखा द्वारा प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी श्रावण के महीने में प्रत्येक रविवार को खड़ियार से ३५ किलोमीटर दुर प्रसिद्ध तीर्थस्थल 'पातालगंगा' में कावड़ियाँ सेवा शिविर का आयोजन किया गया है।

कावड़ियाँ सेवा शिविर में शाखा अध्यक्ष श्री नरेश छापड़िया जी के सौजन्य से अन्नपुर्णा भोग के माध्यम से पातालगंगा से जल उठाने वाले कावड़ियों एवं समस्त श्रद्धालुओं (लगभग ३ हजार से ५ हजार) के लिए सुबह ११ बजे से रात्रि ११ बजे तक स्वादिष्ट भोजन की व्यवस्था की गयी।

उत्कल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का सम्मान समारोह और जनसंपर्क बैठक

"बालासोर": उत्कल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह और जनसंपर्क बैठक में प्रमुख अतिथियों के रूप में सांसद बालेश्वर श्री प्रताप सारंगी, रिमुना के विधायक श्री गोबिंद दास, बालेश्वर विधायक श्री मानस कुमार दत्ता, और वरिष्ठ सदस्य श्री एस. बी. गुप्ता की उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता बालासोर शाखा के अध्यक्ष धर्मेंद्र मोरे ने की।

वृक्षारोपण

सम्मेलन की रूपरा रोड शाखा ने वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया, देवसर माता मंदिर, सरस्वती शिशु मंदिर, तथा जगन्नाथ मंदिर में इसको किया गया, प्रांतीय महासचिव श्री सुभाष अग्रवाल, फॉरेस्टर श्री बिस्वजित राठौर, सरपंच श्री हेमंत भोई, अध्यक्ष श्री प्रदीप अग्रवाल, पुर्व अध्यक्ष श्री राधेश्याम अग्रवाल, अग्रसेन भवन अध्यक्ष श्री रतन लाल अग्रवाल, युवा मंच अध्यक्ष श्री गणेश राम खेतान, जिला सचिव श्याम सुंदर अग्रवाल, देवसर मंदिर अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल तथा बहु संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

उत्कल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बलांगीर जोनल मीटिंग 'तुसरा' में संपन्न

बलांगीर/तुसराः उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बलांगीर जोनल मीटिंग रविवार को केडिया भवन तुसरा में आयोजित हुई। इस अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री सुभाष अग्रवाल, भूतपूर्व प्रांतीय अध्यक्ष नकुल अग्रवाल, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा के प्रांतीय अध्यक्ष मनोज जैन, जोनल उपाध्यक्ष दीनदयाल केडिया, जोनल सचिव प्रकाश गोयल तथा सम्मेलन के तुसरा शाखा अध्यक्ष चंद्रभान अग्रवाल मंचासिन थे।

मुख्य अतिथि के रूप में टिटिलागढ़ विधायक नवीन कुमार जैन तथा मुख्य वक्ता की आसंदी पर युवा मंच के भूतपूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रिंकू अग्रवाल विराजमान थे। तुसरा की इष्ट देवी मां समलेश्वरी के तेल चित्र के सामने दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इस अवसर पर सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय प्रशिक्षक विकास सुल्तानिया जी झारसुगुड़ा से विशेष रूप से पधारे थे। उन्होंने "मैं नहीं हम" यानी कैसे सफल नेतृत्वकर्ता बनें, इस पर एक बहुत ही सारगर्वित कार्यशाला ली। जिसका लाभ सभी सदस्यों ने उठाया। इस कार्यशाला से बहुत कुछ सीखने को मिला, की एक टीम वर्क में कार्य करने के लिए हमारे में क्या-क्या खूबियां होनी चाहिए।

शाखा अध्यक्ष चंद्रभान जैन ने स्वागत भाषण दिया। जोनल उपाध्यक्ष दीनदयाल केडिया ने अपने प्रतिवेदन रखे। जोन सचिव प्रकाश गोयल ने पूरे जोन की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। प्रांतीय महामंत्री सुभाष अग्रवाल ने पूरे प्रांत में जो कार्यक्रम चल रहे हैं तथा आगामी कार्यों की विस्तृत रूपरेखा रखी। प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल ने अपने ऊर्जामय तथा जोशीले उद्‌बोधन में उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ग्रहणीयता, उपयोगिता तथा स्वीकारिता पर गहन चिंतन प्रस्तुत किया। सभा में टिटलागढ़, सैंतला, बोलांगीर, तुसरा, सोनपुर, लोइसिंघा के करीब १०० से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : उत्कल

नवल अग्रवाल ने टीम के साथ ली शपथ

शपथ ग्रहण समारोह में शामिल सम्मेलन के पदाधिकारी

समारोह में अध्यक्ष के रूप में नवल अग्रवाल ने शपथ ली। इस अवसर पर उत्कल प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने अध्यक्ष नवल अग्रवाल ने नये अध्यक्ष नवल अग्रवाल सहित उनकी पूरी ट ीम को शपथ दिलायी। अध्यक्ष नवल अग्रवाल के साथ शाखा के महासचिव मनीष शाह, उपाध्यक्ष अजय पोद्दार, संजय खेतान व आशीष बाधान, सचिव निशांत अग्रवाल, विजय अट्टल व गोविंद साकुनिया, कोषाध्यक्ष आनंद गोयल, पीआरओ सचिन शर्मा के साथ सदस्य के रूप में अशोक केडिया (बजाज), संजय सरावगी, मनीषा शाह (डीएचपी), विनय मोदी व अजय शर्मा (तालपटिया) ने शपथ ली। वही इस अवसर पर सलाहकार समिति में पवन सुल्तानिया, सीए महेंद्र केडिया, पवन शाह, संजय लोधा, आत्मप्रकाश खेतान, आनंद मोदी, अनिल भुवानीया व सीए गोवर्धन मोदी को चुना गया है।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में प्रांतीय कार्यालय में प्रसिद्ध शिक्षाविद डा. राजकुमार सांडिल्य के द्वारा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, इस समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री मंगतू राम अग्रवाल, श्री श्यामसुंदर अग्रवाल, श्री राजकुमार पोद्दार, श्री सुरेश टिनावाला, शाखा सचिव श्री महेश झाझरिया, श्री मनोज गर्ग, श्री हनुमान अग्रवाल, श्री चंद्रकुमार सराफ, श्री ज्ञानप्रकाश अग्रवाल, श्री घनश्याम अग्रवाल तथा बहु संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

प्रांतीय समाचार : महाराष्ट्र

राजस्थान के राज्यपाल महामहिम श्री हरिभाऊजी बागड़े की नियुक्ति होने पर मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन मंत्री विरेंद्र धोका, परतुर के आमदार श्री बबनरावजी लोणीकर एवं महाराष्ट्र मारवाड़ी सम्मेलन के पी.आर.ओ मनीष तवरावाला की ओर से सत्कार किया गया एवं विरेंद्र धोका ने मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से महामहिम बागड़ेजी को जालना आने का निमंत्रण दिया। महामहिम की ओर से २६ सितंबर को जालना आने का निमंत्रण स्वीकार किया।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

गुवाहाटी छात्रावास प्रकल्प

सम्मानित समाज बंधुओं,

बड़े बुजुर्गो की सिख कहती हैं कोई काम छोटा नही होता और कोई काम असंभव नहीं होता।

जिस काम में अगनित लोगों का साथ मिल जाए वो कार्य निष्फल नहीं होता।

भगवान राम एक बाण से समुद्र सुखा सकते थे, परन्तु सेतु बनाने में बानर भालू सेना का साथ लेकर उन्होंने हमें, सबको साथ लेकर टीम बनाकर चलने का संदेश दिया है।

छात्रावास की जमीन क्रय करने के लिए अध्यक्ष ने समाज के भामाशाह स्वरूप स्वजनों के सहयोग से व्यवस्था कर ली है।

जमीन से ऊपर के निर्माण में हम सभी अपनी रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं। अध्यक्ष महोदय ने एक ईट कम से कम सभी सदस्यों का आह्वान गत जोरहाट बैठक में किया है।

"बुंद बुंद से घड़ा भरता है" इसका उदाहरण छात्रावास में करके हम सभी को दिखाना है।

एक ईट निमित १०००/- रूपये की राशि २००० सदस्य सम्मेलन के बैंक खाते में अगले १५ दिवस में डालते हैं तो हम प्रकल्प को पूर्ण करने में रचनात्मक भूमिका निभा सकते हैं।

आप मल्टीपल ईटों का सहयोग भी कर सकते हैं।

बैंक खाते का विवरण सभी के पास है ही। नहीं तो उपरोक्त प्रोजेक्ट रिपोर्ट में दिया हुआ है।

तुरंत दान महा कल्याण।

स्वयं भी करें औरों को भी प्रेरित करें।

– रमेश कुमार चांडक
प्रांतीय उपाध्यक्ष, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

विभिन्न प्रान्तों के माननीय प्रान्तीय पदाधिकारीगण, प्रणाम एवं ७८वें स्वतंत्रता दिवस की अग्रिम बधाई,

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में गुवाहाटी में पूर्वोत्तर की छात्राओं हेतु एक महिला छात्रावास के लिए एक निर्माणाधीन भवन क्रय करना निश्चित हुआ जिसकी कीमत स्टाम्प ड्यूटी एवं रेजिस्ट्रेशन सहित लगभग २.७५ करोड़ होगी। उसके बाद बनाने की कीमत लगभग २ करोड़ होगी। इसमें ५०-६० छात्राओं के लिए स्थान होगा।

इसके लिए CSR फण्ड से कंपनियों द्वारा सहयोग किया जा सकता है। मैं सभी से आवाहन करता हूँ कि इस प्रकल्प में हमारा सहयोग करें।

व्यक्तिगत सहयोग राशि भी स्वीकार्य है। हम आयकर कानून के तहत 80G में डिडक्शन के लिए एलिजिबल हैं (नवीनीकरण के लिए अप्लाई किया हुआ है)

धन्यवाद

– विनोद कुमार लोहिया
महामंत्री, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

दिनांक ९ जुलाई २०२४ को तिनसुकिया मे एक विवाह का आयोजन किया गया। विवाह आयुष्मान पुनीत सुपुत्र नीलम मोदी एवं आयुष्मती रोशनी सुपुत्री पुरुषोत्तम एवं संतोष अग्रवाल के बीच था। विवाह की खासियत यह थी कि इसे दिन के उजाले में संपन्न किया गया। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन हरदम से दिन की शादी के लिए समाज को प्रेरित करते आया है। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय उपाध्यक्ष सुरेन्द्र अग्रवाल, प्रांतीय सहायक मंत्री समीर गोयल, तिनसुकिया शाखा के उपाध्यक्ष रामावतार सारडा, तिनसुकिया महिला शाखा की अध्यक्षा मधु रसीवासिया एवं सदस्य श्रीमती संतोष तोदी द्वारा नवविवाहित जोड़े के अभिभावकों को प्रशंसा पत्र प्रदान करते हुए फुलाम गमछा से सम्मानित किया गया। सम्मेलन के पदाधिकारियों द्वारा नवविवाहित जोड़े को बधाई देते हुए इस विवाह की मुक्त कंठो से प्रशंसा की साथ ही उन्हें फूलों का गुलदस्ता प्रदान करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया और सुखी दांपत्य जीवन की कामना की। वहां उपस्थित सभी समाज बंधुओ से इस तरह के आयोजनों उनको बढ़ावा देने का आह्वान किया।

प्रांतीय समाचार : झारखण्ड

'मारवाड़ी सम्मेलन साकची शाखा द्वारा' समाज के सितारे कार्यक्रम में शहर के बुद्धिजीवी, समाजसेवी और समाज के सितारों, उनके अभिभावकों का चेंबर भवन में हुआ जमावड़ा।

सबसे विशेष बात कार्यक्रम में हमारे समाज के बच्चों ने बहुत ज्यादा रुचि दिखाई और कार्यक्रम की खूब प्रशंसा की।

मारवाड़ी भवन के प्रांगण में दिनांक १५ अगस्त २०२४ को प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत कुमार मित्तल जी के कर कमलों द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस पावन अवसर पर सम्मेलन के महामंत्री श्री रविशंकर शर्मा, पूर्व महामंत्री श्री कमल केडिया, उपाध्यक्ष श्री अरूण बुधिया, श्री सुरेश जैन, श्री प्रेम मित्तल, कार्यक्रम संयोजक श्री मनीष लोधा, कार्यालय मंत्री श्री श्याम सुंदर शर्मा, श्री प्रकाश बजाज, मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के अध्यक्ष श्री रमेश चंद्र शर्मा, मारवाड़ी सहायक समिति के अध्यक्ष श्री मनोज चौधरी, मंत्री श्री रमन बोड़ा, श्री नन्द किशोर पाटोदिया, श्री आनंद जालान, श्री किशन अग्रवाल सहित सम्मेलन के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

बांकुड़ा शाखा द्वारा सम्मान समारोह

बांकुड़ा जिले के माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक के मेधावी विद्यार्थियों को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, बांकुड़ा शाखा की तरफ से सम्मानित किया गया, इसके अलावा कार्यक्रम में उपस्थित गुरुओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन बांकुड़ा के राधा भवन धर्मशाला में हुआ।

मौके पर उपस्थित विशिष्ट लोगों में बांकुड़ा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर गौतम बुद्ध सुराल, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल, विशिष्ट समाजसेवी विष्णु बाजोरिया, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश सराफ, जिला अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष विश्वनाथ भुवालका, संगठन की सांस्कृतिक मंत्री वर्षा रावत समेत अन्य विशिष्ट गण शामिल थे।

मौके पर संगठन के अध्यक्ष नरेंद्र शर्मा का कहना था कि प्रत्येक वर्ष मारवाड़ी समाज के बच्चों के साथ साथ सभी बोर्ड के मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाता है। इस बार २८ छात्रों को तथा गुरुओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा विभिन्न क्षेत्रों में उम्दा प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की जलपाईगुड़ी शाखा के शाखाध्यक्ष श्री शंकर मलाका ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर झंडोत्तोलन किया।

प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह

एक मेधावी छात्रा को सम्मानित करते शिव कुमार लोहिया, साथ हैं नंदकिशोर अग्रवाल भी।

अच्छा इंसान बनने में ही है शिक्षा की सार्थकता: मनोज केडिया

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से रविवार, ७ जुलाई २०२४ को मारवाड़ी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मानित किया गया। जी डी बिरला सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित श्रीकांत शर्मा ने छात्रों से आह्वान किया कि वे बाधाओं से न घबराएं और निरंतर अपने लक्ष्य पर काम करते रहे। उनको इतना ऊपर उठना होगा कि कोई उनको झुका न सके। शिक्षा के साथ वह अपने संस्कार और संस्कृति को भी बचाये रखें।

प्रधान आयुक्त जीएसटी मनोज कुमार केडिया ने विद्यार्थियों को इस बात के लिए प्रेरित किया कि नौकरी पाने के लिए नहीं, अच्छा इंसान बनने के लक्ष्य से शिक्षा हासिल करें। एक अच्छा इंसान ही अच्छा लीडर बन सकता है। अगर आप गुणवान है तो न केवल पैसा बल्कि दुनिया भी आपके पीछे-पीछे आयेगी। छात्रों को फॉलोवर नहीं, लीडर बनने की जरूरत है। अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया ने कहा कि १९३५ में स्थापित हुई संस्था के आज ३२,००० सदस्य हैं। मारवाड़ी अपने दम पर जौरो से हीरो बने हैं। मारवाड़ी कांटों से घिरे गुलाब हैं। मारवाड़ीयों में समन्वय, सहयोग, समरसता व संवेदना है, यही कारण है कि संस्था दूसरों को सहयोग करने के लिए तैयार रहती है। विद्यार्थियों को भी बड़ा लक्ष्य लेकर चलना चाहिए और पॉजिटिव सोच के साथ जीवन को उत्सव के रूप में लेना चाहिए। उत्सव से ऊर्जा पैदा होती है और ऊर्जा से काम करने की शक्ति मिलती है।

एशियन इंटरनेशनल स्कूल, हावड़ा की निदेशक डॉ. रेखा वैश्य ने बच्चों को प्रेरित किया कि वे माता-पिता के संस्कार व बड़ों का सम्मान कभी न भूलें। परीक्षा में अच्छे अंक लाना, अच्छी उपलब्धि है, लेकिन अपना चरित्र व व्यक्तित्व सदा ऊंचा रखें, यही सच्ची व सार्थक शिक्षा है। कार्यक्रम में आइएएस शिल्पा गौरीसरिया ने भी छात्रों को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि यही बच्चे देश का भविष्य बनेंगे। इन बच्चों को सही मार्गदर्शन की जरूरत है। सम्मान समारोह से बच्चे प्रोत्साहित होंगे और दूसरे बच्चों को प्रेरणा मिलेगी। संयोजक विश्वनाथ भुवालका ने भी मेधावियों का हौसला बढ़ाया।

द्वीप प्रज्ज्वलन कर सम्मान समारोह का उद्‌घाटन

कार्यक्रम में दिनेश जैन, बृजमोहन बेरीवाल, बृज मोहन गाड़ोदिया ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन अनुष्का गुप्ता ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पंकज भालोटिया, पवन जालान, अशोक कुमार शाह, अभिषेक शरद डोकनिया, रूपक केडिया, राजन खंडेलवाल, विनोद कुमार, पारसनाथ अग्रवाल, सुभाष चंद्र गोयनका, उमेश खंडेलवाल, प्रमोद जैन, ओमप्रकाश केडिया व संजय सिंघला का सक्रिय योगदान रहा।

पत्रकारों का भी किया गया सम्मान

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से रविवार को मारवाड़ी समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह कार्यक्रम में शिक्षा के क्षेत्र की पत्रकारित करने वाले कुछ पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। जीडी बिरला सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने प्रभात खबर की वरिष्ठ संवाददाता भारती जैनानी, राजस्थान पत्रिका के पत्रकार शिशिर शरण राही, पत्रकार सुरेश गुप्ता, राज नाथानी, पंकज कुमार, तनुश्री गुहा, रामाशीष और अन्य कुछ वरिष्ठ पत्रकारों को भी सम्मानित किया गया। इन पत्रकारों को दुपट्टा पहना कर अभिनंदन किया गया। इन सभी पत्रकारों को पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से स्मृति चिह्न, फूलों का गुलदस्ता और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में नागेर बाजार महिला समिति की सदस्यों को भी किया गया सम्मानित।

Yours Tastefully
Anmol
TM
Enjoy Great Taste with Good Health
FruitBix
Original Taste of Bakery
dream LITE
Marie Plus
With Best Compliments from:
Anmol Industries Ltd.
BISCUITS, CAKES & COOKIES
BISCUITS
For your comments, complaints and trade related queries write to us at info@anmolindustries.com
or call us at 1800 1037 211 | www.anmolindustries.com | Follow us on:

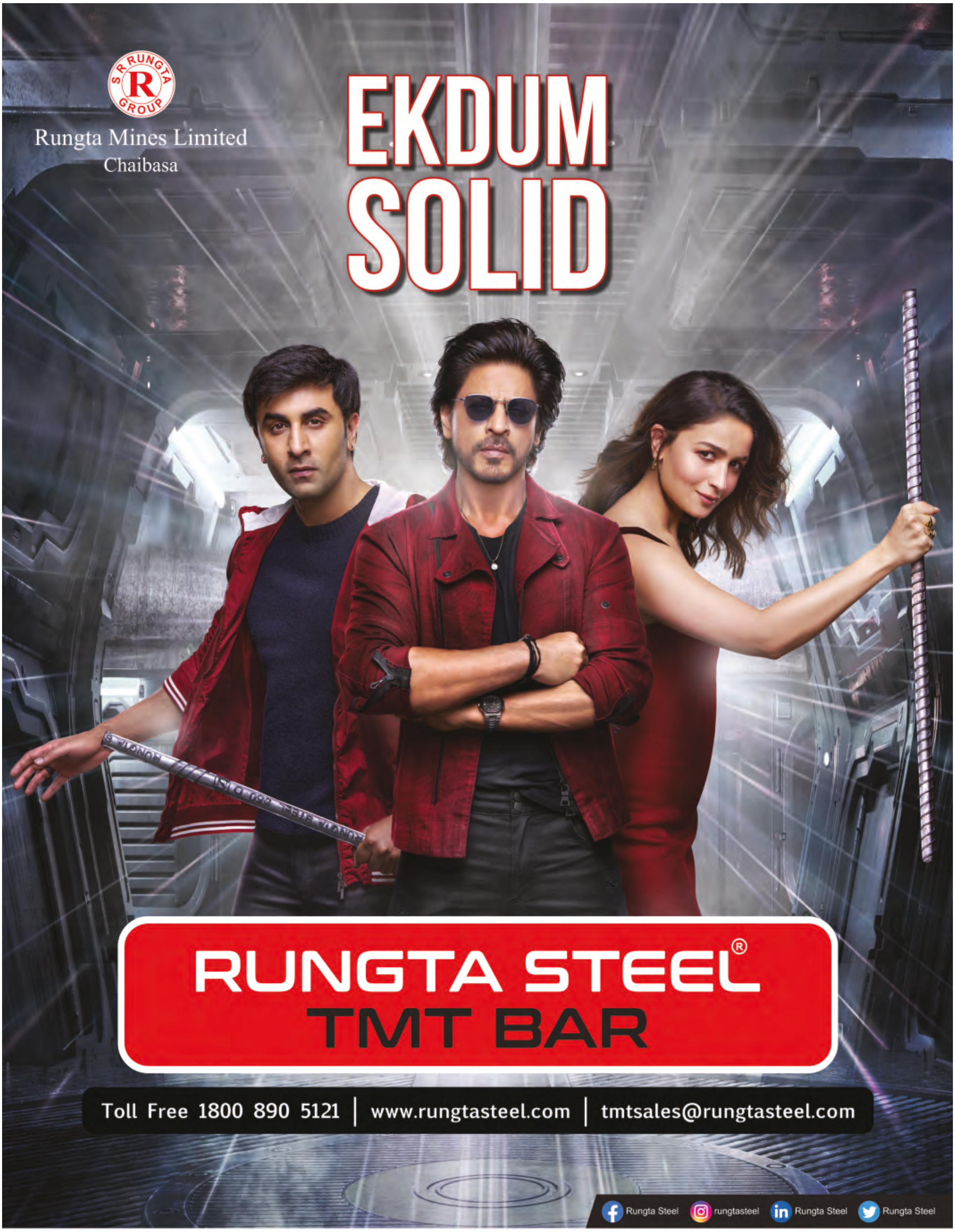

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

रक्षा बंधन

रक्षा बंधन या राखी, भाई-बहनों के बीच अटूट प्यार को दर्शाने के लिए मनाया जाता है। यह त्यौहार प्रतिवर्ष श्रावण मास (सावन माह) की पूर्णिमा तिथि (पूर्णिमा दिवस) पर पड़ता है। इस दिन बहनें पूजा-अर्चना करके भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधती हैं और उनके स्वास्थ्य व जीवन में सफल होने की कामना करती हैं। वहीं भाई अपनी बहनों की रक्षा करने, उन्हें प्यार करने और विपरीत स्थिति में उनकी मदद करने के लिए हमेशा तैयारी रहने की वचन देते हैं।

क्या है रक्षा बंधन का इतिहास

रक्षा बंधन हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। इस त्यौहार से जुड़ी किंवदंतियों में से एक महाकाव्य महाभारत से उत्पन्न होती है। पौराणिक कथाओं के मुताबिक भगवान कृष्ण की उंगली सुदर्शन चक्र से गलती से कट गई थी। यह देखकर द्रौपदी ने खून रोकने के लिए अपनी साड़ी से कपड़े का एक टुकड़ा फाड़कर चोटपर बांध दिया। भगवान कृष्ण उनके हाव-भाव से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने हमेशा उनकी रक्षा करने का वादा किया। उन्होंने यह वादा तब पूरा किया जब द्रौपदी को हस्तिनापुर के शाही दरबार में सार्वजनिक अपमान का सामना करना पड़ा। यमुना ने अपने भाई यम को राखी बाँधी एक बार भगवान यम अपनी बहन देवी यमुना से १२ साल तक मिलने नहीं गए। देवी गंगा ने उन्हें देवी यमुना से मिलने की याद दिलाई। इतने लंबे समय के बाद अपने भाई को देखकर यमुना बहुत खुश हुई इसलिए उसने उसके लिए स्वादिष्ट भोजन तैयार किया और उसकी कलाई पर राखी बांधकर इस दिन का जश्न मनाया। यम इस भाव से खुश हुए और उसे अमरता का आशीर्वाद दिया।

बच्चों में देशप्रेम की भावना

बच्चों को राष्ट्र भक्त बनाना एक महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्य है, जो हमारे देश की प्रगति और समृद्धि के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रभक्ति का अर्थ है अपने देश के प्रति प्रेम, सम्मान और समर्पण की भावना वह भावना बच्चों में बचपन से ही विकसित की जानी चाहिए ताकि वे बड़े होकर जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

राष्ट्रभक्ति का महत्व

राष्ट्रभक्ति बच्चों को न केवल अपने देश के प्रति प्रेम और सम्मान सिखाती है, बल्कि उन्हें अपने कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति भी जागरूक बनाती है। यह भावना बच्चों में अनुशासन, ईमानदारी, और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास करती है। जब बच्चे राष्ट्रभक्त बनते हैं, तो वे अपने देश की संस्कृति, इतिहास, और परंपराओं का सम्मान करते हैं और उन्हें आगे बढ़ाने का प्रयास करते हैं।

बच्चों में राष्ट्रभक्ति कैसे विकसित करें

शिक्षा का महत्व : बच्चों को उनके देश के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम, और महान नेताओं के बारे में शिक्षित करना चाहिए। इससे वे अपने देश की महानता और संघर्षों को समझ सकेंगे और उनके प्रति गर्व महसूस करेंगे।

सांस्कृतिक कार्यक्रम : स्कूलों और समाज में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए, जिसमें बच्चे भाग ले सकें। यह उन्हें अपनी संस्कृति और परंपराओं के प्रति जागरूक बनाएगा।

राष्ट्रीय पर्व : स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, और अन्य राष्ट्रीय पर्वों को धूमधाम से मनाना चाहिए। इन अवसरों पर बच्चों को देशभक्ति गीत, नाटक, और भाषण प्रस्तुत करने के लि प्रेरित करना चाहिए।

समाज सेवा : बच्चों को समाज सेवा के कार्यों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए। इससे उनमें सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी का विकास होगा।

परिवार का योगदान : परिवार बच्चों की पहली पाठशाला होती है। माता-पिता को अपने बच्चों को देशभक्ति के महत्व के बारे में बताना चाहिए और उन्हें अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

बच्चों के लिए प्रेरणादायक कहानियाँ

बच्चों को प्रेरित करने के लिए उन्हें महान भारतीय नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियाँ सुनानी चाहिए। महात्मा गांधी, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, और अन्य महान व्यक्तित्वों की कहानियाँ बच्चों में देशभक्ति की भावना को प्रबल करेंगी।

निष्कर्ष

बच्चों को राष्ट्र भक्त बनाना हमारे समाज और देश के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह न केवल उन्हें अच्छे नागरिक बनाएगा, बल्कि हमारे देश को भी एक मजबूत और समृद्ध राष्ट्र बनाएगा। हमें अपने बच्चों में राष्ट्रभक्ति की भावना को विकसित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए, ताकि वे बड़े होकर अपने देश के प्रति समर्पित और जिम्मेदार नागरिक बन सकें।

PrraniGanga
दुनिया का पहला ऑनलाइन पशुधन उत्पाद बाजार
www.prraniganga.com
में आपका स्वागत है
मनचाहा ब्रांड किफायती दाम पर घर बैठे पाए ....
* UP TO
40% DISCOUNT
केवल प्राणिगंगा में
* कुछ विशेष उत्पादों के खरीद पर एक पर एक फ्री पाए...
10 लाख +
किसानों का भरोसा
70+
ब्रांड्स
120+
फ़ीड
1500+
उत्पाद
एनिमल फीड | मेडिसिन्स | इक्विपमेंट | सर्विसेस
82409 97737 support@prraniganga.com www.prraniganga.com

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ के नवनियुक्त राज्यपाल रमन डेका का छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा सम्मान।

छत्तीसगढ़ प्रांत रायपुर शाखा की ओर से स्वतंत्रता दिवस बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिवर्ष की भांति चौबे कॉलोनी स्थित चिंताहरण हनुमान मंदिर गार्डन पर मनाया गया।

प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पुरषोत्तम सिंघानिया जी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। प्रादेशिक महामंत्री अमर बंसल जी ने कार्यक्रम का संचालन किया। रायपुर शाखा के अध्यक्ष संजय शर्मा जी एवं उपाध्यक्ष आनंद अग्रवाल जी ने कार्यक्रम का आयोजन किया। शाखा सचिव प्रवीण सिंघानिया जी, प्रादेशिक कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी जी, कार्यकारिणी सदस्य ललित चांडक जी, कमलेश सिंघानिया जी, सुमित अग्रवाल जी प्रमुख उपस्थित रहे। ललित चांडक जी की सुपुत्री प्रतिमा चांडक को उनके सीए बनने पर प्रादेशिक अध्यक्ष के कर कमलों से एक फलक दे कर सम्मान किया गया।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

असम के राज्यपाल श्री गुलाबचंद जी कटारिया का ट्रांसफर पंजाब के राज्यपाल के रूप में केंद्र सरकार ने कर दिया है। कल २९.०७.२०२४ को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के साथ अन्य मारवाड़ी संगठनों ने महामहिम को विदाई हेतु मुलाकात की। प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा शिलांग प्रवास थे और उनके निर्देश पर महामंत्री विनोद कुमार लोहिया एवं प्रांतीय संयुक्त मंत्री श्री मनोज काला ने मुलाकात कर असम के राज्यपाल के तौर पर उनके स्नेह एवं सहयोग के लिए उनके प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।

प्रांतीय समाचार : कर्नाटक

मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि (बैंगलूर, कर्नाटका) की अध्यक्षा माया जी अग्रवाल और सलाहाकार मंजू (सुभाष) जी अग्रवाल के नेतृत्व में १३ अगस्त २०२४ को देव दर्शन, तीज (सिंधारा) उत्सव वन भोज का आयोजन किया। सचिवा शालिनी अग्रवाल ने प्रग्राम का संचालन किया। ४५ सखियो ने सोमनाथपुरा, श्रीरंगपट्टनम, निमिश्म्बा, बेनुगोपाल रामानुजा मंदिर के दर्शन का लाभ उठाया। हरियाली तीज के उल्लेख में सब का सिंधारा किया गया और सबको उपहार भेंट किए गए। वन भोज का आनंद भी सब ने खूब उठाया। कलाकार स्वाति शर्मा के भजनो ने सब को भक्ति के रंग में रंग दिया। और अन्य सखियो ने दी भजन की प्रस्तुति दी। महिला परिधि की कोषाध्यक्षा हेमलता सांवरिया, और उत्सव की संयोजक लता चौधरी, पल्लवी पोद्दार, अंजू अग्रवाल कोर कमेटी की मेम्बर निर्मला जी गोयल, पूजा अग्रवाल, रीतू अग्रवाल कमेटी चेम्बर हेमलता अग्रवाल, कविता गर्ग ने यात्रा और उत्सव का पूरा कार्यभार संभाला।

सभी ने देव दर्शन यात्रा की सराहना की।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

३० जुलाई २०२४, मंगलवार सुबह गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सूरत के तत्वावधान मे राजेंद्र अग्रवाल के सौजन्य से उनके पुत्र हर्षित अग्रवाल के जन्म दिन के उपलक्ष मे श्याम मंदिर सूरत धाम पर बाल भोग प्रसाद एवं तुलसी पौधो का वितरण किया गया मौके पर जिलाध्यक्ष सुशील अग्रवाल, राजा अग्रवाल, शिव कुमार अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, सूर्य कांत अग्रवाल, संतोष बजाज, ममता अग्रवाल एवं मंजू अग्रवाल उपस्थित रहे।

प्रांतीय समाचार : पूर्वोत्तर

शिवसागर में दुःखद घटना

१३ अगस्त २०२४ को शिवसागर (असम) में मारवाड़ी समाज के दो युवकों ने स्थानीय समाज के एक युवती, जो की राष्ट्रीय स्तर की पंजा खिलाड़ी है, को लड़के में भ्रम में, उनकी दुकान के सामने गाड़ी पार्किंग कर के नशा करने के आरोप में पीट दिया। दो-एक दिन स्थानीय स्तर पर मामले को निपटाने के प्रयास चलते रहे। इसी बीच स्वाधीनता दिवस में सभी व्यस्त रहे। १६ अगस्त को घटना प्रांत के संज्ञान में आयी। सम्मेलन और मंच का प्रांतीय नेतृत्व ने सामंजस्य स्थापित कर कार्य करना शुरू किया। उसी दिन शिवसागर में ३० स्थानीय संगठनों ने एक संयुक्त बैठक बुलाई, जिसमें मारवाड़ी समाज को भी बुलाया गया था लेकिन कुछ गिने-चुने लोग पँहुचे। इस बैठक में मारवाड़ी, बिहारी, बंगाली समाज के खिलाफ कई प्रस्ताव लिए गए और स्थिति बिगड़नी शुरू हो गयी।

१७ अगस्त को प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा के नेतृत्व में महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री पंकज जालान, महामंत्री श्री सुभाष सुराणा के एक प्रतिनिधि मंडल ने स्थानीय विधायक श्री अखिल गोगोई के गुवाहाटी स्थित घर पर जाकर उनसे मुलाकात की। उक्त बैठक में २० अगस्त, मंगलवार को शिवसागर में उक्त ३० दलों के साथ बैठक करना तय हो गया। १९ अगस्त को उक्त स्थानीय संगठनों द्वारा रैली निकाली गयी और निशानदेही कर मारवाड़ी समाज की दुकानों को अनिश्चित काल के लिए बंद करने का निर्देश दिया गया।

दोपहर तक देरगांव के मारवाड़ी युवक श्री गौरव सोमानी ने एक संगठन के नेता श्री शृंखल चालिहा पर एफ.आई.आर. दायर कर दी। शाम तक माहौल गरमा गया और श्री सोमानी को एफ.आई.आर. उठानी पड़ी। उक्त माहौल में समाज बंधुओं की सलाह पर शिवसागर जाने का कार्यक्रम रद्द हो गया।

इसी बीच प्रांतीय अध्यक्ष को सूत्रों में समाचार मिला की असम के शिक्षा मंत्री श्री रनोज पेगु अगले दिन शिवसागर जा रहे हैं और संबधित पक्षों से मिल रहे हैं।

३० अगस्त को पुनः प्रांतीय अध्यक्ष के नेतृत्व में महामंत्री विनोद कुमार लोहिया, मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री पंकज जालान, महामंत्री श्री सुभाष सुराणा के एक प्रतिनिधि मंडल ने असम के डी.जी.पी. से मिलकर ज्ञापन सौंपा और अपनी चिंताओं से अवगत कराया। उन्होंने ने पूर्ण सुरक्षा का भरोसा दिलाया।

२० अगस्त को शिवसागर में असम के शिक्षा मंत्री, जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की उपस्थिति में स्थानीय मारवाड़ी समाज का एक प्रतिनिधि मंडल उक्त संगठनों से मिलकर शांति स्थापित करने पहुँचा जहां अप्रत्याशित रूप से मारवाड़ी समाज के उक्त प्रतिनिधि मंडल जिसमें महिलाएं एवं बुजुर्ग भी शामिल थे, घुटनों के बल बैठ कर मीडिया के सामने शिवसागर के स्थानीय समाज से माफ़ी मांगनी पड़ी।

इससे असम के पुरे मारवाड़ी समाज में रोष एवं निराशा व्याप्त हो गई। बयानवीरों ने सोशल मीडिया पर कोहराम मचा रखा है। इसके बाद जोरहाट, गोलाघाट, देरगांव, मोरन आदि जगहों पर भी स्थानीय संगठनों ने संयुक्त रूप से बैठकें कर मारवाड़ी समाज पर अनावश्यक दबाव बनाना शुरु किया जिसमे सम्मेलन और मंच के स्थानीय पदाधिकारियों ने मिलकर सामंजस्य स्थापित कर स्थिति को नियंत्रण में लिया।

अब गत २ दिनों से पुलिस प्रशासन विभिन्न शहरों में सड़कों पर फ्लैग मार्च कर रहा है।

प्रांतीय समाचार : सिक्किम

राज्यपाल से भेंट

सिक्किम मारवाड़ी सम्मेलन के करीब २२ सदस्यों की एक प्रतिनिधि टोली ने सिक्किम के नये राज्यपाल श्रीमान ओम प्रकाश जी माथुर से एक शिष्टाचार भेंट कर सिक्किम के समस्त मारवाड़ी समाज की ओर से अभिनन्दन एवं स्वागत किया। स्मरण हो की सिक्किम के नये राज्यपाल राजस्थान के पाली ग्राम से हैं और प्रवासी राजस्थानी समाज से मिलकर उन्हें बेहद खुशी का आभास हुआ। अध्यक्ष रमेश पेड़ीवाल ने माननीय राज्यपाल महोदय को माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं उपस्थित सदस्यों से परिचय करवाया। बाद मे संगठन के सल्हाकार श्री सुरेंद्र सारडा ने अपने सम्बोधन में सिक्किम में मारवाड़ी समाज का इतिहास, सिक्किम के विकास मे समाज का योगदान एवं सिक्किम के रीति-रिवाजों में सामाजिक सहाभागिता का पूर्ण विवरण पेश किया। माननीय राज्यपाल ने अपने सम्बोधन मे समाज की सराहना की एवं अपना आशीर्वाद प्रदान किया।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

क्रॉस कोर्ट के एशियार्ड गेम खिलाड़ी अध्या बुधिया की पुत्री श्री गौरव बुधिया ने १५ वर्ष के ग्रुम मे स्वर्ण पदक जीता। बधाई।

श्री बृजमोहन अग्रवाल, उत्कल प्रांतीय व्यापार तथा उद्योग प्रकोष्ठ के चेयरमैन को नागपुर के राष्ट्रीय बैठक में २०२४-२६ के लिए कैट का राष्ट्रीय चेयरमैन चुना गया है। बधाई!

मणिपाल इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी में एयरोनॉटिकल इंजीनियरिंग के अठारह वर्षीय छात्र 'प्रियम लाठ ने भाभा ट्रैक की १६१०५ फीट ऊँची ट्रैकिंग सफलतापूर्वक पूरी की है।' सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री रंजीत कुमार जालान - श्रीमती उषा जालान के नाती 'प्रियम ने अपनी यह छठी ट्रैकिंग श्री राणी सती दादी जी का परचम फहरा कर पूरी की है।' बधाई और शुभकामनाएँ!!

असम की महज १० वर्षीय बिटिया आराध्या धानुका ने विश्व के सबसे बड़े रिकॉर्ड "गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड" में अपना नाम दर्ज करा कर समूचे असम का ही नहीं बल्कि विश्व पटल पर भारत का नाम गौरवान्वित किया है। गुवाहाटी निवासी स्वाति-डॉ. घनश्याम दास धानुका कदी बेटी और कुसुम-डॉ. अशोक कुमार धानुका की पोती आराध्या धानुका का नाम एक बार नहीं बल्कि दो बार गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि आरध्या ने ९० डिग्री के कोण पर एक हाथ के चारों ओर २१ मिनट और २ सेकंड तक हुला हूपिंग करके यह उपलब्धि हासिल की और अमेरिका की विहा गेडिया द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

वहीं आराध्या ने दूसरा रिकॉर्ड ४ मिनट और २ सेकंड तक अपनी गर्दन के चारों ओर एक साथ ३ हुला हूप घुमा कर रच डाला।

ज्ञात हो कि एनआइटी, जमशेदपुर में कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की छात्रा नवगछिया की बेटी सृष्टि चिरानिया को अमेरिकी कंपनी रूबरिक ने १.२३ करोड़ रुपये के सालाना पैकेज पर अपनी कंपनी में बहाल किया है। सम्मेलन की नवगछिया शाखा के अध्यक्ष दिनेश सर्राफ तथा महामंत्री विनोद केजरीवाल ने गोपाल चिरानिया व ममता चिरानिया की छोटी पुत्री सृष्टि चिरानिया की उपलब्धि पर गर्व महसूस किया।

पूर्वोत्तर राज्य सिक्किम में माहेश्वरी समाज की सबसे छोटी शतरंज खिलाड़ी, रिशिका पेड़ीवाल, (श्री रमेश जी पेड़ीवाल की पोती एवं डॉ० पूनम - डॉ० सुमित की पुत्री) ने १८ अगस्त से २० अगस्त, २०२४ तक गंगटोक के स्थानीय एक प्रेक्षागृह में आयोजित अंडर सेवन कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए इंटर स्कूल शतरंज चैंपियनशिप-२०२४ का खिताब जीता है। उसने अपनी कैटेगरी में लगातार दूसरी बार यह खिताब जीता है। सिक्किम शतरंज एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस मेगा चैंपियनशिप में सिक्किम के सभी छह जिलों से कुल ४२ स्कूलों के ४५० बच्चों ने भाग लिया था। रिशिका पेड़ीवाल ने ना सिर्फ अपने स्कूल को बल्कि सम्पूर्ण माहेश्वरी समाज को गौरवान्वित किया है। ज्ञात हो इसी साल जनवरी महीने मे रिशिका ने कलकत्ता मे राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता मे तीसरा स्थान प्राप्त किया था।

शिव सागर के "गौरव" पंकज अगरवाला

अपने छात्र जीवन से ही वे पर्यावरण को समर्पित है। असमिया समाचार पत्रों में उन्हें "अरण्य मानव" से तुलना की जाती रही है। २० हजार से भी अधिक पेड़-पौधे अब तक लगा चुके है। साथ ही उनके रख-रखाव का सम्पूर्ण कार्य भी वे बड़ी निष्ठा से करते आये है। आज भी हर रविवार वह अपने सुपुत्र के साथ यह कार्य बड़ी लगन के साथ कर रहे है। २ से ३ घण्टे इस सेवा कार्य को देते हैं। ज्ञातव्य हो कि उन्होंने अपने दाम्पत्य जीवन की शुरुआत में अपने विवाह के अवसर पर सभी अतिथियों को पेड़ - पौधे भेंट कर उस समय के अनुसार एक अनूठा व अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया था।

अनेको स्थानीय संगठनो व न्यूज चैनल द्वारा वे पुरस्कृत व सम्मानित हो चुके है। शिवसागर प्राइड (शिवसागर के गौरव) से वे विभूषित है।

एक जागरूक नागरिक के तौर पर इस नई सरकार से आपकी क्या अपेक्षाएँ हैं

आज जब हम २१वीं सदी में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं, तो एक जागरूक नागरिक के तौर पर हमारी जिम्मेदारियों भी बढ़ गई हैं। लोकतंत्र में नागरिकों की भूमिका केवल वोट डालने तक सीमित नहीं है; हमें सरकार से अपेक्षाएँ भी होती हैं, जो हमारे जीवन और समाज पर व्यापक प्रभाव डालती हैं। वर्तमान में, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार से हमारी कई अपेक्षाएँ हैं। ये अपेक्षाएँ केवल आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि नैतिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी हैं। आइए, इन अपेक्षाओं पर विस्तार से चर्चा करें।

१. आर्थिक सुधार और रोजगार सृजन

मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में आर्थिक सुधार के कई कदम उठाए, जिनमें जीएसटी और नोटबंदी प्रमुख हैं। इन कदमों का प्रभाव अभी भी जनता पर महसूस हो रहा है। एक जागरूक नागरिक के तौर पर हमारी अपेक्षा है कि सरकार आर्थिक सुधारों को और भी गति दे और ऐसी नीतियाँ बनाए जो रोजगार सृजन में सहायक हों। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाना और उन्हें उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

२. शिक्षा और स्वास्थ्य

शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी समाज की नींव होते हैं। मोदी सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में कई पहलें की हैं, जैसे 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान। परंतु, एक जागरूक नागरिक के तौर पर हम अपेक्षा करते हैं कि सरकार शिक्षा के क्षेत्र में और भी निवेश करे, जिससे सभी वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और आम लोगों के लिए सस्ती और सुलभ चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराना भी सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए।

३. कृषि और ग्रामीण विकास

भारत एक कृषि प्रधान देश है, और हमारी अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा कृषि पर निर्भर करता है। किसानों की समस्याओं का समाधान और उन्हें उनकी फसल का उचित मूल्य दिलाना सरकार की जिम्मेदारी है। **'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि'** जैसी योजनाएँ सराहनीय हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि सरकार इन योजनाओं का दायरा बढ़ाएगी और कृषि सुधारों कदो अधिक प्रभावी बनाएगी।

४. स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण

स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत करके मोदी सरकार ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाई है। अब समय आ गया है कि इस अभियान को और भी व्यापक बनाया जाए। प्लास्टिक मुक्त भारत, जल संरक्षण और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भी सरकार को ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण के लिए नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और संबंधित नीतियों को सख्ती से लागू करना भी आवश्यक है।

५. महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा किसी भी समाज की प्रगति का सूचक है। बलात्कार, घरेलू हिंसा और बाल मजदूरी जैसी समस्याओं का समाधान करने के लिए कठोर कानूनों और उनकी सख्त अनुपालन की आवश्यकता है। सरकार को ऐसे नीतियों और कार्यक्रमों को लागू करना चाहिए जो महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को सुनिश्चित करें और उन्हें एक सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन प्रदान करें।

६. डिजिटल इंडिया और तकनीकी प्रगति

डिजिटल इंडिया अभियान ने देश में तकनीकी प्रगति को एक नई दिशा दी है। एक जागरूक नागरिक के तौर पर हमारी अपेक्षा है कि सरकार डिजिटल साक्षरता को और भी बढ़ावा दे और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इंटरनेट और तकनीकी सुविधाओं का विस्तार करे। इससे डिजिटल विभाजन को कम करने में मदद मिलेगी और हर नागरिक को समान अवसर प्राप्त होंगे।

७. सामाजिक समरसता और धार्मिक सहिष्णुता

भारत एक बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक देश है। सामाजिक समरसता और धार्मिक सहिष्णुता हमारे देश की पहचान है। सरकार को ऐसे कदम उठाने चाहिए जो समाज में एकता और भाईचारे को बढ़ावा दें। धार्मिक और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने के लिए कठोर कानूनों और जागरूकता अभियानों की आवश्यकता है।

८. कानून और व्यवस्था

कानून और व्यवस्था का सुदृढ़ होना किसी भी देश की प्रगति के लिए अनिवार्य है। अपराध नियंत्रण, न्याय प्रणाली में सुधार और पुलिस बल की क्षमता को बढ़ाने के लिए सरकार को निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। नागरिकों की सुरक्षा और न्याय तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

९. बांग्लादेशी घुसपैठ और सीमा सुरक्षा

भारत-बांग्लादेश सीमा पर अवैध घुसपैठ एक गंभीर समस्या है। इससे न केवल सुरक्षा खतरे पैदा होते हैं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक असंतुलन भी उत्पन्न होता है। एक जागरूक नागरिक के तौर पर हमारी अपेक्षा है कि मोदी सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले और सीमा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने के लिए ठोस कदम उठाए। सीमा पर निगरानी के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग, सीमा प्रहरी बलों की संख्या और संसाधनों में वृद्धि, और घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई आवश्यक है। इसके साथ ही, स्थानीय समुदायों के साथ सहयोग बढ़ाकर उन्हें सुरक्षा में सहभागी बनाना भी जरूरी है।

निष्कर्ष

एक जागरूक नागरिक के तौर पर हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम सरकार से अपेक्षाएँ रखते हुए स्वयं भी अपने कर्तव्यों का पालन करें। सरकार और नागरिकों के बीच सामंजस्य और सहयोग ही देश की प्रगति का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, परंतु अभी भी कई ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ और भी सुधार की आवश्यकता है। हमें उम्मीद है कि सरकार हमारी अपेक्षाओं पर खरा उतरेगी और एक सशक्त, समृद्ध और समावेशी भारत के निर्माण में अपनी भूमिका निभाएगी।

– मुकेश मित्तल

झारखण्ड (संयुक्त प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत)

Trust your loved ones with
those trusted by millions of Indians.
AMRI is now
manipalhospitals
LIFE'S ON
37 hospitals | 70+ years of healthcare legacy | 5,600+ Doctors
10,500+ beds | Serving 19 cities
Scan to access
special privileges
info@manipalhospitals.com
1800 102 5555
www.manipalhospitals.com

Use Green Products & Increase Green Building Rating Points

HINDCON CHEMICALS LTD.

STRENGTH UPON STRENGTH

Manufacturers of:

CONSTRUCTION CHEMICALS
SPECIALITY CHEMICALS
SODIUM SILICATE

PROTECTIVE & WATERPROOFING COATINGS, SHEETINGS EXPANSION & CONTRACTION JOINT SYSTEM | CONCRETE & MORTAR ADMIXTURES | REMOVER/CLEANING COMPOUNDS | WATER PROOFING COMPOUNDS | GROUTS & REPAIRING MORTARS | CEMENT ADDITIVES | EPOXY GROUTS & MORTARS | REHABILITATION COATING IMPREGNATION | CONCRETING AIDS | SHOT CRETE AIDS | FLOOR TOPPINGS | TILE ADHESIVE | FOUNDRY AID | SEALANTS | WATERPROOFING JOB WORK

- **Kolkata :** Nest Constructors +91 9831075782
- **Midnapore :** New S.A. Sanitary +91 8016933523
- **Mursidabad :** Bharat Congee +91 7047628386
- **Siliguri :** Subhojit Ghosh +91 9836367567
  Bhawani Enterprise +91 7584983222
- **South 24 Pgs :** M.M. Enterprise +91 9051449377
- **Nadia :** NPR Enterprise +91 9775174923
- **Purulia :** N.C. Kundu Son & Grand Sons +91 9775154544
- **Bankura :** Amit Enterprise +91 8972945781
- **Arambagh :** Maa Manasa Trading +91 9647673010
- **Hooghly :** Sen Enterprise +91 7908528482
- **Birbhum :** K.D. Enterprise +91 9434132114
- **Alipurduar :** Bimal Chandra Paul +91 8100875439
- **Bhubaneswar :** Santosh Nayak +91 8895677677
- **Bihar :** Md Sarwar Imam Siddique +91 8100969670
- **Chennai :** Chandra Sekar S +91 8100969669
- **Delhi :** Debasis De +91 9836174567
- **Gujarat :** Ujjwal Chanchal +91 9142501353
- **Guwahati :** Monaj Kumar Saha +91 9830267567
- **Himachal Pradesh :** Rajan Sharma +91 9830286567
- **Madhya Pradesh :** Kanha Trading Co. +91 9630732585
  Om Shree Sai Trader +91 8077185201
- **Navi Mumbai :** Paresh Ashra, +91 9967658832, 9322591244
- **Patna :** Happy Home +91 9122191920
- **Bhutan :** Sriram Traders - +91 9647748327
- **Jaipur :** Ashish Gupta - +91 9874167567
- **Nepal :** Ashwin International Pvt. Ltd - 00977 9851035502

IS:2645 | 9001:2015 | IS:9103

+91 33 24490839, 9830599113 | +91 33 24490849 | contactus@hindcon.com | www.hindcon.com

Vasudha' 62 B, Braunfeld Row, Kolkata-700027, West Bengal, India

एक जागरूक नागरिक के रूप में नवगठित सरकार से हमारी अपेक्षाएं

भारत एक लोकतांत्रिक देश है जहाँ हर नागरिक की आवाज़ का महत्व है। चुनाव के माध्यम से जनता अपनी उम्मीदों और आकांक्षाओं को नई सरकार के माध्यम से पूरा करने का प्रयास करती है। एक जागरूक नागरिक के रूप में, नई केंद्रीय सरकार से हमारी अपेक्षाएं व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज और देश के सर्वांगीण विकास के लिए हैं।

१. पारदर्शिता और उत्तरदायित्व : हमारी पहली और सबसे महत्वपूर्ण अपेक्षा है कि सरकार पारदर्शिता और उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। सभी सरकारी गतिविधियों और योजनाओं में पारदर्शिता होनी चाहिए ताकि जनता को यह विश्वास हो सके कि देश का पैसा सही दिशा में खर्च हो रहा है। इसके साथ ही, सरकारी अधिकारियों और नेताओं को उनके कार्यों के लिए उत्तरदायी ठहराया जाना चाहिए।

२. भ्रष्टाचार मुक्त शासन : भ्रष्टाचार अभी भी भारत की प्रगति में सबसे बड़ी बाधाओं में से एक है। नई सरकार से हमारी अपेक्षा है कि वह भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त करने के लिए कठोर कदम उठाए। इसके लिए प्रभावी कानून बनाए जाएं और उनका सख्ती से पालन हो। साथ ही, भ्रष्टाचार के मामलों की जांच तेज और निष्पक्ष होनी चाहिए।

३. रोजगार के अवसर : भारत एक युवा देश है, और युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी समस्या बेरोजकारी है। सरकार को ऐसी नीति और योजनाएँ बनानी चाहिए जो रोजगार के अधिक से अधिक अवसर प्रदान करें। स्टार्टअप्स और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए बेहतर वातावरण का निर्माण किया जाए, जिससे युवा स्वयं अपने लिए रोजगार सृजित कर सकें, क्योंकि केवल सरकारी नौकरियों से रोजगार की समस्या का निदान संभव नहीं है।

४. शिक्षा और स्वास्थ्य : शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार करना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए, चाहे वह किसी भी वर्ग या क्षेत्र से आता हो। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सेवाओं को सस्ता और सुलभ बनाने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने चाहिए। सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की स्थिति सुधारनी चाहिए और गांवों तक आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचानी चाहिए।

५. पर्यावरण संरक्षण : विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण भी अत्यंत आवश्यक है। नई सरकार से हमारी अपेक्षा है कि वह पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रभावी कदम उठाए। प्रदूषण नियंत्रण, वन संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा दिया जाए। इसके साथ ही, जल संरक्षण और स्वच्छता अभियानों को भी प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बंगलौर व अन्य शहरों की जल समस्या को बड़ी चेतावनी मानते हुए इस क्षेत्र में त्वरित कार्यवाही करने की आवश्यकता है।

६. महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण : महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण पर विशेष ध्यान देना अत्यंत आवश्यक है। महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाए जाएं और उनका प्रभावी पालन सुनिश्चित किया जाए। महिलाओं को शिक्षा और रोजगार के समान अवसर प्रदान किए जाएं ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें।

७. ग्रामीण विकास : भारत की आत्मा उसके गांवों में बसती है। ग्रामीण विकास के लिए विशेष योजनाएं बनानी चाहिए ताकि गांवों में बुनियादी सुविधाएं और रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकें। किसानों की समस्याओं का समाधान और उनकी आय बढ़ाने के लिए सरकार को विशेष ध्यान देना चाहिए। इससे शहरों पर दबाब कम होगा और शहर की ओर पलायन भी रुक सकेगा।

८. आर्थिक सुधार : आर्थिक सुधारों के बिना देश की प्रगति संभव नहीं है। नई सरकार से अपेक्षा है कि वह अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए ठोस कदम उठाए। विदेशी निवेश को आकर्षित करने के लिए उपयुक्त वातावरण बनाया जाए और व्यापार को आसान बनाने के लिए नियमन और प्रक्रियाओं को सरल किया जाए।

९. सामाजिक समरसता : विभिन्नता में एकता वाले हमारे देश में सामाजिक समरसता पर बहुत ध्यान देने की आवश्यकता है। नई सरकार को जाति, धर्म के भेदभाव को पीछे छोड़ते हुए सभी लोग मिलजुल कर रहें और योग्य व्यक्तियों को सही अवसर और बढ़ावा मिले, इसके लिए विशेष प्रयास करना चाहिए।

१०. केंद्र राज्य समन्वयन : भारत जैसे विशाल देश में सभी जगहों पर एक पार्टी का शासन संभव नहीं है। अपनी राजनैतिक प्राथमिकताओं को साइड में रखते हुए सभी सरकारों को विभिन्न राजनैतिक विमर्श को गाह्य करते हुए मिलजुल कर काम करना चाहिए। सरकारों को विपक्ष को आदर देना चाहिए और विपक्ष को चाहिए कि वे सत्तापक्ष की उपयुक्त पहलों का स्वागत व समर्थन करे।

नई सरकार से हमारी आशाएं और अपेक्षाएं हैं कि वह समन्वयन और समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देगी। केवल तभी हमारा देश वास्तविक प्रगति की दिशा में आगे बढ़ सकेगा और हर नागरिक का जीवन स्तर बेहतर हो सकेगा।

– सुश्री अदिति जाजोदिया
वाराणसी (संयुक्त प्रथम पुरस्कार से पुरस्कृत)

सम्मेलन मंच जुलाई २०२४

'राजस्थानी भाषा का प्रयोग लुप्त सा होता जा रहा है' विषय पर प्राप्त विचारों में निम्नलिखित तीन प्रतिभागियाँ को पुरस्कृत किया जाता है:

१. **प्रथम पुरस्कार** – संगीता बैद, गुवाहाटी
२. **द्वितीय पुरस्कार** – स्मिता धीरासरिया, बरपेटा रोड
३. **तृतीय पुरस्कार** – डॉ. अजय कु. अग्रवाल, गुवाहाटी

समाचार सार

मारवाड़ी युवा मंच का कार्यक्रम "आपणी धरोहर"

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच, कलकत्ता द्वारा शनिवार एवं रविवार को अनेक नये कार्यक्रमों के साथ राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति पर आधारित राष्ट्रीय महोत्सव का आयोजन किया गया। दो दिवसीय महोत्सव में पूरे देश से लगभग २५० प्रतिनिधियों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि अग्रवाल राजस्थानी भाषा को लेकर काफी चिंतित दिखे, उन्होंने कहा कि राजस्थानी घर पर ही सीखी जा सकती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में मारवाड़ी युवा मंच द्वारा ५० करोड़ रुपये की लागत से एक विशाल युवा भवन का निर्माण किया जा रहा है, इस भवन में राजस्थानी पुस्तकों की एक बड़ी लाइब्रेरी और राजस्थानी में शोध सुविधाएं होंगी। यहां से राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक कार्यक्रम संचालित किये जायेंगे।

इस मौके पर मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद शाह ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी भाषा से जुड़ी है। मंच राजस्थानी को मान्यता दिलाने की मांग जोर-शोर से उठाएगा।

मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टड़ ने कहा कि मारवाड़ी समाज ने हजारों वर्षों में जो सांस्कृतिक और लोक विरासत बनाई है, उसे संरक्षित करने के प्रयास बहुत कम हैं। हमें अपनी भाषा को बढ़ावा देने की जरूरत है। मंच विद्वानों के साथ बैठकर कई आगामी कार्यक्रम तैयार करेगा।

"आपणी धरोहर" के उद्घाटनकर्ता पद्मश्री प्रह्लाद राय अग्रवाल ने जोर देकर कहा कि राजस्थानियों की ६५ प्रतिशत आबादी युवा है। हमें अपने बड़ों से नौकरी मांगने के बजाय उन्हें नौकरी देने की भावना से आगे बढ़ना चाहिए। मारवाड़ी लोगों के साहस, आनंद और उदारता को पूरी दुनिया में जाना जाता है। व्यापार और दान हमारे खून में रहा है। हमारे यहां कहावत है कि मारवाड़ी साहुकार की बंडी काली हो सकती है, लेकिन हुंडी काली नहीं होती। उन्होंने कहा कि हमारी कितनी प्रतिष्ठा रही है, कहा जाता था - बही-खाता नहीं होता, मारवाड़ी की जुबान सही है। देश की अर्थव्यवस्था में हमारा बड़ा योगदान है। भाषा पर उन्होंने कहा कि हमें अपने दैनिक व्यवहार में राजस्थानी लोगों से राजस्थानी भाषा में बातचीत करनी चाहिए। यदि हर भाषा के लोग अपनी भाषा की अपेक्षा नहीं करते तो हम क्यों करें? उद्घाटन सत्र का उत्तम संचालन मुकेश खेतान ने किया।

इसके बाद मारवाड़ी युवा मंच की ओर से प्रसिद्ध मूर्तिकार व चित्रकार मातूराम वर्मा को सम्मानित किया गया। उन्हें शॉल, श्रीफल और समाज रत्न की उपाधि के साथ २१ हजार रुपये की राशि भेंट की गई। प्रशस्ति पत्र का वाचन विमल नौलखा ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टड़ ने की। सत्र का संचालन प्रांतीय अध्यक्ष मोहित अग्रवाल ने किया।

पहले दिन के अगले सत्र में मुख्य वक्ता रतन शाह ने कहा कि अगर कोई पूछता है कि हम राजस्थानी क्यों सीखते हैं तो सीधा जवाब होता है अपनी पहचान बनाए रखने के लिए। मारवाड़ी युवा मंच को अपनी सभी ८०० शाखाओं में राजस्थानी प्रतियोगिताएं शुरु करनी चाहिए। युवा मंच राजस्थानी के लिए आशा की किरण बन सकता है। सत्र का संचालन संगीता राठी ने किया।

इस सत्र में मारवाड़ी सीखने के लिए एक ऐप लॉन्च किया गया था। इस ऐप के माध्यम से हम वर्तमान पीढ़ी को रोजमर्रा की सरल मारवाड़ी सीखा सकते हैं।

दूसरा दिन

अगले दिन सुबह १० बजे पहले सत्र का विषय था, 'आओ मंच जाने'। अपने प्रथम सम्बोधन में श्री बिमल नौलखा ने कहा कि उन्हें मारवाड़ी होने पर बहुत गर्व है। इस मंच पर चालीस वर्षो से हमने इससे बहुत कुछ सीखा है।

श्री महेश जालान ने अपने सुंदर भाषण में कहा कि मेरा गुरु मंच है। ७ सितम्बर १९८७ के बाद से मेरी समझ में जो परिवर्तन आये हैं वे इस मंच की देन हैं।

साकेत छावछरिया ने, 'मारवाड़ी पाठशाला' नाम से मारवाड़ी भाषा, साहित्य व संस्कृति के क्षेत्र में एक वेबसाइट के माध्यम से युवा मंच द्वारा किये जा रहे प्रयासों को प्रदर्शित किया।

सत्र का संचालन प्रमोद जैन ने किया।

अगला सेमिनार मातृभाषा साहित्य, वर्तमान स्थिति एवं संभावनाएँ विषय पर आयोजित किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ. चेतन स्वामी ने कहा कि हमें राजस्थानी भाषा की प्रचुरता पर सदैव गर्व करना चाहिए। राजस्थानी साहित्य और संस्कृति तभी जीवित रह सकती है जब राजस्थानी भाषा रहेगी। राजस्थानी साहित्य हर विधा में समृद्ध है। सुन्दर संचालन जयकरण चारण ने किया।

मंच के खुले सत्र में श्री महेश जालान, श्री मुकेश खेतान, श्रीमती अनुराधा खेतान, श्री नंदगोपाल भट्टड़, श्री सुमित चमड़िया, श्री रामजीवन सुरेका, श्री संतोष कनोडिया, श्री हंसराज ने अपने विचार व्यक्त किये। इस सत्र का बढ़िया संचालन राष्ट्रीय निदेशक सुरेश एम जैन ने किया।

समापन सत्र में **"मेरी सॉठी"**, **"लोक री बातां"** एवं **सांस्कृतिक संध्या** के प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह भेंट दिया गया। सत्र का सफल संचालन राष्ट्रीय संयोजक धर्मराज माहेश्वरी ने किया। सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विकास अग्रवाल ने की।

अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच कलकत्ता की ग्यारह शाखाओं ने दो दिवसीय अपनी धरोहर कार्यक्रम का आयोजन किया। मारवाड़ी युवा मंच की हावड़ा, रिसड़ा, उत्तर मध्य कोलकाता, बड़ा बाजार, बेलूर टाउन, हिंद मोटर, कोलकाता प्रोफेशनल, कोलकाता पंख अर्णव, कोलकाता नवयुग, कोननगर और लिलुआ शाखाएँ इस भव्य कार्यक्रम की आयोजक थीं।

– अनुराधा खैतान

समाचार सार

श्री लक्ष्मीनारायण डोकानियाँ का सम्मान समारोह

श्री गौशाला, भागलपुर की कार्यकारिणी समिति के वरिष्ठतम सदस्य एवम् भागलपुर मारवाड़ी समाज के वयोवृद्ध समाजसेवी ९२ वर्षीय श्री लक्ष्मीनारायण जी डोकानियाँ को ११ अगस्त २०२४ रविवार को द्वारिकापुरी कॉलोनी स्थित श्यामकुँज प्रशाल में आयोजित एक भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में भागलपुर तथा बाहर से आये लगभग ३५० मारवाड़ी समाज के गणमान्य प्रतिष्ठित अतिथियों की उपस्थिति, समाज में इनके प्रति आस्था, श्रद्धा और सम्मान का द्योतक है।

श्री लक्ष्मीनारायण जी डोकानियाँ का सम्मान समारोह कार्यक्रम अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार जी लोहिया, बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रादेशिक अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी चौबे जी एवं श्रीमति गीता देवी केजरीवाल की गरिमामयी उपस्थिति में अत्यन्त शालीन एवं अनुशासित वातावरण में सम्पन्न हुआ।

सम्मान समारोह की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार भिवानीवाला, संयोजक श्री गिरधारीलाल केजरीवाल, महामंत्री श्री अभिषेक जैन, निर्देशक श्री सुनील कुमार जैन, उपाध्यक्ष श्री रोहित बाजोरिया, कोषाध्यक्ष श्री राजेश बंका, मंत्री श्री सुनील बुधिया एवं वरिष्ठ सदस्य प्रो बिहारी लाल जी चौधरी के ३ महिने के अथक संयुक्त प्रयासों से कार्यक्रम अत्यन्त सफल रहा। समारोह स्थल श्यामकुंज के संपूर्ण इंतजाम का दायित्व श्री शरद सलारपुरिया जी के कंधो पर था जिसे उन्होने बखूबी अंजाम देकर कार्यक्रम की भव्यता में चार चांद लगा दिए।

समाचार सार

शिक्षायतन स्कूल को देश के श्रेष्ठ सैकंडरी विद्यालय वर्ग का सम्मान

जयपुर में हुए आठवें ग्लोबल एजुकेशन सम्मेलन ओर एवार्ड समारोह मे कोलकाता के नामचीन श्री शिक्षायतन स्कूल को देश के उत्कृष्ठ और श्रेष्ठ विद्यालय वर्ग मे से एक की श्रेणी मे सम्मानित किया गया।

१९६५ में पद्मभूषण सीताराम सेक्सरिया जी के प्रयास और बिरला परिवार के आर्थिक सहयोग से स्थापित संस्थान मे, नर्सरी से लेकर हाईयर सैकंडरी के करीब ३४०० छात्राओं को शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ खेल कूद, संगीत, कला, साहित्य, वाद-विवाद, गृह विज्ञान, फैच-जर्मन भाषा, योग आदि आयामो से भी प्रशिक्षित किया जाता है। विद्यालय की प्रिंसिपल संगीता टंडन की कर्मठता और शिक्षिकाओ-छात्राओं के लगातार शानदार प्रदर्शन से विद्यालय ने पिछले बारह महीनो मे अनगिनत पुरस्कार हासिल कर श्री शिक्षायतन का गौरव बढ़ाया है।

बिरखा-बींनणी

– रेवत दान चारण

लूम-झूम मदमाती, मन बिलमाती, सौ बळ खाती
गीत प्रीत रा गाती, हंसती आवै बिरखा बींनणी।

चौमसै में चंवरी चढ़नै, सांवण पूगी सासरै
भरै भादवै ढळी जवांनी, आंधी रैगी आसरै
मन रौ भेद लुकाती, नैणां आंसूड़ा ढळकाती
रिमझिम आवै बिरखा बीनणी।

ठुमक-ठुमक पग धरती, नखरौ करती
हिवड़ौ हरती, बींद पगलिया भरती
छम-छम आवै बिरखा बींनणी।

तीतर बरणी चूंदड़ी नै काजळिया री कोर
प्रेम डोर में बधती आवै रूपाळी गिणगोर
झूठी प्रीत जताती, झीणै घूंघट में सरमाती
ठगती आवै बिरखा बींनणी।

घिर-घिर घूमर रमती, रुकती थमती
बीज चमकती, झब-झब पळका करती
भंवती आवै बिरखा बींनणी।

आ परदेसण पांवणी जी, पुळ देखै नी बैळा
आलीजा रै आंगणै में करै मनां रा मेळा
झिरमिर गीत सुणाती, भोळै मनड़ै नै भरमाती
ढळती आतै बिरखा बींनणी।

लूम-झूम मदमाती, मन बिलमाती, सौ बळ खाती
गीत प्रीत रा गाती, हंसती आवै बिरखा बींनणी

सूर्य नमस्कार आरंभ करने से पहले यह ११ तथ्य जानिए...

क्या आप एक स्वस्थ शरीर व मन प्राप्त करने के लिए सूर्य नमस्कार का अभ्यास प्रारंभ करना चाहते हैं? यदि आप सूर्य नमस्कार का अभ्यास करने के लिए उत्सुक हैं तो आप अवश्य ही जानना चाहते होंगे कि इसको किस तरीके से किया जा सकता है और इसका अभ्यास करने के लिए कितने चक्र करना जरूरी है।

सूर्य-नमस्कार का अभ्यास अच्छे से करने के लिए यह आवश्यक है कि आप इसके महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में कुछ जानकारी रखें। आइए, सूर्य-नमस्कार आरंभ करने से पहले इसके बारे में जरूरी जानकारी की सूची देखते हैं-

१. सूर्य नमस्कार क्यों किया जाए?

सूर्य नमस्कार को करने के मुख्य दो कारण हैं। पहला कारण सूर्य नमस्कार पूरे शरीर के लिए एक अच्छा व्यायाम है। इसको करने से मांसपेशियों में खींचाव, लचीलापन और लयबद्धता बनती है जो कि वजन घटाने में भी बहुत अधिक लाभदायक है। यह शारीरिक स्तर से परे कई स्वास्थ्य लाभ, मन को आराम और ध्यान करने के लिए एकाग्रता प्रदान करता है। दूसरा कारण, सूर्य-नमस्कार हमें सूर्य के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर देता है, जिसके बिना पृथ्वी पर जीवन असंभव है।

२. सूर्य नमस्कार करने के लिए सबसे अच्छा समय क्या है?

सुबह सूर्योदय के समय खाली पेट में सूर्य नमस्कार करना एक अच्छा विचार है।

३. क्या शाम के समय सूर्य नमस्कार करना उचित है?

हाँ, आप सूर्योदय और सूर्यास्त के समय सूर्य नमस्कार का अभ्यास कर सकते हैं।

४. सूर्य नमस्कार कैसे स्थान पर करना चाहिए?

अभ्यास करने की जगह के लिए कोई प्रतिबंध नहीं है। आप अपने घर पर हवादार कमरे में अच्छी खुली जगह पर या प्रकृति के सान्निध्य में इसका आनंद ले सकते हैं।

५. अपनी शारीरिक सीमा का सम्मान करें, अत्यधिक प्रयत्न न करें।

यदि आपने सूर्य-नमस्कार करना प्रारंभ किया है तो हो सकता है कि आप अपने योग शिक्षक या साथी व्यवसायी की नकल करने के लिए आकर्षित हो जाएँ। लेकिन, याद रखें, प्रत्येक शरीर का एक विभिन्न लचीलापन और क्षमता होती है। किसी के साथ प्रतिस्पर्धा न करें। केवल उतना ही करें जितना आप कर सकते हैं।

६. प्रतिदिन सूर्य नमस्कार के कितने चक्र करने चाहिए?

दैनिक सूर्य नमस्कार के कम से कम १२ चक्र करना एक अच्छा विचार है। (एक सेट दो चक्र से बने होते हैं- दाहिने पैर से छह चक्र और बाएँ पैर से छह चक्र)। हालांकि, आपने यदि सूर्य नमस्कार करना प्रारंभ किया है तो आप दो से चार चक्र के साथ प्रारंभ करें और उसके बाद धीरे-धीरे आप आराम से जितना कर सकते हैं उतना करें। (यदि आप कर सकें तो १०८ तक कर सकते हैं)।

७. सूर्य नमस्कार के साथ अन्य व्यायाम अवश्य करें।

हालांकि, सूर्य नमस्कार एक पूरा शारीरिक व्यायाम है, परंतु इसके साथ आप अन्य व्यायाम भी जोड़ सकते हैं। सूर्य नमस्कार के साथ अन्य योगासन और योग मुद्राएँ जोड़ने के लिए योग शिक्षक से परामर्श करें।

८. सूर्य नमस्कार के लिए कौन-सी गति का पालन करना चाहिए?

विभिन्न गति (धीमा, मध्यम या तीव्र) पर सूर्य नमस्कार के अभ्यास के प्रभाव अलग-अलग हो सकते हैं। यदि सूर्य नमस्कार धीमी गति से किया जाए तो यह शरीर को मजबूत बनाने और माँसपेशियों को लयबद्ध करने में मदद करता है। धीमी गति से सूर्य-नमस्कार करने से मन, शरीर और साँस लयबद्ध हो जाती है और व्यक्ति एक पूर्ण ध्यान की स्थिति में आ जाता है। तीव्र गति से सूर्य नमस्कार के कुछ चक्र हृदय का सबसे अच्छा व्यायाम है। आप सूर्य-नमस्कार धीमी, मध्यम अथवा तीव्र गति से कर सकते हैं।

९. सूर्य नमस्कार किसी प्रशिक्षक की निगरानी में सीखें।

किसी भी अन्य योगासन के अभ्यास की तरह यह सूर्य नमस्कार भी एक प्रशिक्षित और अनुभवी योग शिक्षक के मार्गदर्शन में सीखना चाहिए।

१०. यदि आपको पीठ की समस्या है तो डॉक्टर से परामर्श करें।

यदि आप लगातार पीठ दर्द, शरीर में किसी भी अन्य दर्द या कुछ पुरानी शारीरिक समस्या से पीड़ित हैं तो यह अभ्यास शुरू करने से पहले एक डॉक्टर से परामर्श की सलाह जरूर लें।

११. अपने योग अभ्यास के लिए प्रतिबद्ध रहें और नियमित रूप से करें।

सबसे अच्छा परिणाम प्राप्त करने के लिए सूर्य नमस्कार का अभ्यास नियमित रूप से सुनिश्चित करें। उसके बाद ही आप इसके लाभों का अनुभव करने में सक्षम होंगे। योग शिक्षक के अनुसार यह दैनिक २० मिनट का अभ्यास करने के लिए बेहतर है। कभी-कभी एक घंटे के लिए अभ्यास कर सकते हैं।

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री शिव प्रकाश गाड़ोदिया मे. गाड़ोदिया सिंथेटिक्स, एम. जी. रोड, कटिहार, बिहार	**श्री शिवम कुमार सेन** गांधी नगर, ईमामबाड़ा, भागलपुर, बिहार	**श्री शिवरतन साह** महर्षी मेंही सत्संग भवन रोड, त्रिवेणीगंज, बिहार	**श्री श्रवण कुमार अग्रवाल** किशनगंज, बिहार	**श्री श्रवण बाजोरिया** लोहापट्टी, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार
श्री श्रवण कुमार खेरिया बड़ाबाजार, गांधी चौक दरभंगा, बिहार	**श्री शुभम बंसल** मे. श्याम बाबा टाईल्स सेनापथ महल्ला, दरभंगा, बिहार	**श्री शुभकरण मांडीवाल** प्रो. शुभकरण मांडीवाल पुणियां, बिहार	**श्री सुनील कुमार केडिया** भवानीपुर, राजधाम, पूर्णिया, बिहार	**श्रीमती श्वेता मित्तल** नगर परिषद, जनकपुर रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार
श्री श्याम कुमार अग्रवाल सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री श्याम कुमार भौतिका** बाजार सनिति रोड, सीता राम नगर, बक्सर, बिहार	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** बिहार	**श्री श्याम सुंदर अग्रवाल** मे. खेतान हाउस, आमला टोला, कटिहार, बिहार	**श्री श्याम सुंदर केडिया** बिहार
श्री शिखा बागला मे. महावीर ऑयल भंडार, मारवाड़ी स्कूल के पास, सीतामढ़ी, बिहार	**श्रीमती सीमा बुबना** मिशन फिटनेस जीम, झाझिहाट रोड, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री सिमरन जालान** नगर परिषद, जनकपुर रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री सीता राम अग्रवाल** विनोदपुर, पावर हाउस रोड, कटिहार, बिहार	**श्रीमती स्नेहलता देवी** मछुआपट्टी, हसनपुर सुगर मिल्स, समस्तीपुर, बिहार
श्री सोनी केजड़ीवाल गांधी चौक, बड़ाबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती सोनिया भारती** हसनपुर बाजार, हसनपुर सुगर मिल्स, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सोनू कुमार** वार्ड नं. ३, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सौरभ जालान** मे. संचिता बुटिक, मेन रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री सौरभ कुमार टेकरीवाल** शिकारगढ़ टोला, वार्ड नं. ७, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार
श्री शुभम खेतान नीम चौक, बंगलागढ़, दरभंगा, बिहार	**श्री सुबोध कुमार अग्रवाल** भवानीपुर राजधाम, वार्ड नं.- १२, पूर्णिया, बिहार	**श्री सुबोध कुमार अग्रवाल** थाना रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुबोध कुमार कर्नानी** वार्ड नं.-३, काशीपुर रोड, मुब्लीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुबोध कुमार शर्मा** पो. सालमारी, कटिहार, बिहार
श्रीमती सुहानी अग्रवाल सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्रीमती सुजाता देवी अग्रवाल** सोमवारी हाट के पास, कटिहार, बिहार	**श्रीमती सुमन देवी** मे. तिरुपति एंटरप्राइजेज, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सुमित अग्रवाल** ९५६, जेशूर रोड, ब्लॉक-जी, फ्लॉट-३सी, कोलकाता, प.बं.	**श्री सुमित खटोर** राधे ड्रेसेस, पतोरी, समस्तीपुर, बिहार
श्री सुमित कुमार अग्रवाल मे. मोहित ट्रेडर्स, त्रिवेणीगंज, बिहार	**श्री सुमित कुमार बुबना** झाझिहाट रोड, पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री सुमित कुमार गोयल** मे. लाईट हाउस, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सुमित कुमार जैन** मे. वर्द्धमान इंटरप्राईजेज ठाकुरगंज, किशनगंज, बिहार	**श्री सुमित कुमार खेतान** पुरानी बाजार, गांधी नगर कहलगाँव, भागलपुर, बिहार
श्री सुमित सराफ मे. मोहनलाल दिलीप सराफ एन.एच.-३१, पुर्णिया, बिहार	**श्री सुमित सुजन** मे. सोनु रेडीमेड, मेन रोड, एन. एच.-८०, लक्खीसराय, बिहार	**श्री सुनील अग्रवाल** अखरोघाट, कृष्णा सिनेमा के विपरीत, मुजफ्फरपुर, बिहार	**श्री सुनील कुमार** मे. सरस्वती आटो, सुगर मील चौक, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सुनील कुमार अग्रवाल** मे. सुंदर वस्त्रालया, सुर्यगढ़, लक्खीसराय, बिहार
श्री सुनील कुमार चौधरी मे. श्री गणपति ट्रेडर्स, वार्ड नं.- ७, मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुनील कुमार पंसारी** इमालीघाट, गुलोवाड़ा, दरभंगा, बिहार	**श्री सुनील लाठ** मे. गणेश प्लाई, महाराजी पुल, दरभंगा, बिहार	**श्री सुनील शर्मा** मे. शकोबारी ड्रेसेस, सुगली बाजार, धानखोला, ईस्ट चंपारण, बिहार	**श्रीमती सुनिता देवी** मे. सरस्वती ऑटो, महेश्वर मार्केट, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार
श्री सुनीता देवी मालहीपुर रोड, मरांची उजागर, हासानपुर, समस्तीपुर, बिहार	**डॉ. सुरज खेतान** मे. खेतान डेंटल केयर, स्टेशन रोड, भागलपुर, बिहार	**श्री सुरेंद्र कुमार सेठिया** थाना रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री सुरेश कुमार सराफ** मे. श्री श्याम सिंथेटिक्स केसरी कटरा, कटिहार, बिहार	**श्री सुशील कुमार अग्रवाल** पुरानी बाजार, वार्ड नं.-७, मधेपुरा, बिहार
श्री शिव प्रकाश बगारिया मे. प्रकाश मिका एक्सपोर्टस प्रा. लि., नबंदा रोड, गिरिडी, झारखण्ड	**श्री सुभाष कुमार टिबड़ेवाल** भेरवा रोड, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री सुशील कुमार ड्रोलिया** मेछुया पट्टी, हसनपुर बाजार, समस्तीपुर, बिहार	**श्री सुशील कुमार पुगलिया** मे. पुगलिया ट्रेडिंग कं. एन.एच.-३१, पुणिया, बिहार	**श्री सुयश खेतान** चौधरी टोला, कहलगाँव, भागलपुर, बिहार
श्रीमती स्वेता लाठ बड़ाबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्रीमती स्वेता सराफ** मे. आंगन, मेन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री तेजकरण शर्मा** मे. ओम होमियो हॉल सालमारी, कटिहार, बिहार	**श्री उमंग कुमार श्याम** हसनपुर बाजार, पुल के पास, समस्तीपुर, बिहार	**श्रीमती उर्मिला शर्मा** वार्ड नं.-५, सालमारी, कटिहार, बिहार
श्री उत्कर्ष केजरीवाल पुराना चौक, बक्सर, बिहार	**श्री वैभव कुमार मोहनसारिया** इमलीघाट, गुदड़ीबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री वंदना कानोडिया** मिर्जापुर, दरभंगा बिहार	**श्री विजय केजरीवाल** गांधी चौक, बड़ाबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री विजय कुमार अगरवाल** मे. बालाजी टेक्सटाइल्स, हसनपुर, समस्तीपुर, बिहार
श्री विजय कुमार चाँदगोठिया बांगाली टोला, लहेरियासरय दरभंगा, बिहार	**श्री विजय कुमार कानोडिया** मे. इंडियन मेडिकल हॉल, झंझारपुर बाजार, मधुवनी, बिहार	**श्री विजय कुमार सराफ** मे. पार्वती एजेन्सी, स्टेशन रोड, मधेपुरा, बिहार	**श्री विजय कुमार शर्मा** पुगली गोला, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री विजय कुमार वर्मा** गांधी चौक, बड़ाबाजार, रानीसती दादी गली (मंदिर), दरभंगा, बिहार
श्री विकास कुमार मे. विश्वनाथ बिकास साल्ट पुपरी, सीतामढ़ी, बिहार	**श्री विकास कुमार** प्रो. अग्रवाल ब्रदर्स, गुमती रोड, नवाडा, बिहार	**श्री विकास कुमार अगरवाल** मे. बालाजी स्टोर, मार्केटिंग यार्ड, पुर्णिया, बिहार	**श्री विकास कुमार ड्रोलिया** वार्ड नं.-५, हासानपुर बाजार रामपुर राज्य, समस्तीपुर, बिहार	**श्री विकास कुमार मिश्र** बांग्लागढ़, मिश्रिगंज, वार्ड नं.-०७, दरभंगा, बिहार
श्री विकास कुमार सेठिया मे. रामगंगा ट्रांसपोर्ट एजेंसी, दुर्गास्थान, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**श्री विकास मालानी** अम्बेडकर चौक, साहपुर पाटोरी, समस्तीपुर, बिहार	**श्री विक्रम कुमार मिश्र** केशब चौक, महेशखुंट, खगाड़िया, बिहार	**श्री विमल कुमार सराफ** मे. कमल खादी भंडार, मेन रोड, बिहारीगंज, मधेपुरा, बिहार	**डॉ. विमल कुमार शर्मा** झंझारपुर बाजार, मधुबनी, बिहार
श्री विमल कुमार जादुका भवानीपुर, राजधाम, पुर्णिया, बिहार	**श्री विनय कुमार वर्मा** गाँधी चौक, बड़ाबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री विनोद कुमार शर्मा** मेन रोड, वारिसलीगंज, नवादा, बिहार	**श्री विशाल कुमार** मे. कमलिया मिल, नवादा, बिहार	**श्री विशाल कुमार केडिया** मे. डिजाईन हाउस, मसरफ बाजार, दरभंगा, बिहार
श्री विशाल कुमार राजगरिया वार्ड नं. ०८, मिल रोड, खगारिया, बिहार	**श्री विशाल पानसारी** पुनम सिनेमा रोड, दरभंगा, बिहार	**श्री विष्णु धानुका** मे. गणपति स्टेशनरी, गाँधी चौक, बड़ाबाजार, दरभंगा, बिहार	**श्री विष्णु सरावगी** मे. सरावगी ड्रेसेस, टावर चौक, दरभंगा, बिहार	**श्री विष्णुकांत बाजोरिया** कृष्णा उत्सव, करपूरी चौक, पुपरी, सितामाड़ी, बिहार

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य				
श्री सज्जन कुमार अग्रवाल भवानीपुर, राजधाम, पूर्णिया बिहार	**श्री सज्जन कुमार मुरारका** सोनाली, कटिहार बिहार	**श्री सुरेश अग्रवाल** वार्ड नं.-१५, स्टेशन रोड मधेपुरा, बिहार	**श्री सुरेश कुमार अग्रवाल** कालीबाड़ी रोड, कटिहार बिहार	**श्री यश अग्रवाल** मे. बालाजी हार्डवेयर, सालमारी, कटिहार, बिहार
श्री यश कुमार सालमारी, कटिहार बिहार	**श्री अरुण राठी** मे. माडर्न पेपैक इंडस्ट्रीज बालासोर, ओडिशा	**श्री आशीष कुमार खंडेलवाल** मे. साई डिस्ट्रीब्यूटर्स, मोतिगंज बालासोर, ओडिशा	**श्री दिनेश अग्रवाला** मे. बनवारी लाल कं. जानुगंज गोलई, बालासोर, ओडिशा	**श्री दिनेश खण्डेलवाल** एन.एच.-५ जानुगंज, रेमुना गोलेई, बालासोर, ओडिशा
श्री दिनेश कुमार पेरिवाल मे. चंपालाल टेक्सटाईल नया बाजार, बालासोर, ओडिशा	**श्री गौरव राठी** मे. पैकार्स इंडिया, बालासोर, ओडिशा	**श्री गोपाल अग्रवाल** मे. श्रीराम एन्टारप्राइजेज, बालासोर, ओडिशा	**श्री गोपाल कुमार खण्डेलवाल** फ्लैट-४०१, संजय हाइट, मोतिगंज बालासोर, ओडिशा	**श्री कमल कुमार साह** मोतिगंज बाजार, बालासोर, ओडिशा
श्रीमती ममता पोद्दार मे. जय फमासिउटिकल बटेश्वर रोड, बालासोर, ओडिशा	**श्री मयुर गुप्त** मे. एस.सगरी बि. प्रा.लि कुरदा, बालासोर, ओडिशा	**श्री नरेश खण्डेलवाल** मोतिगंज, पोर्ट रोड, टाउन पि. एस. के पास बालासोर, ओडिशा	**श्री पंकज कुमार अग्रवाल** गणेश्वरपुर, जानुगंज, बालासोर, ओडिशा	**श्री पीयुष सोमानी** मे. एस.एन.एम. बि. प्रा. लि. शेरगड़, बालासोर, ओडिशा
श्री प्रयाग राज साह कचहरी रोड, बालासोर, ओडिशा	**श्रीमती प्रिया अग्रवाल** मे. श्रीराम एंटरप्राईजेज सहदेवखुंटा, बालासोर, ओडिशा	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** के. शिवम, मोतिगंज, बालासोर, ओडिशा	**श्री राम प्रसाद खण्डेलवाल** नौसाही, बालासोर ओडिशा	**श्री ऋषि गुप्ता** आर्ताकविराज रोड, बालासोर, ओडिशा
श्री साजन कुमार साह मोतीगंज, बालासोर, ओडिशा	**श्रीमती संगीता पोद्दार** बटेश्वर रोड, बालासोर, ओडिशा	**श्री संतोष कुमार खण्डेलवाल** नौसाही, बालासोर, ओडिशा	**श्री सतीष कुमार अग्रवाल** रेमुना गोलई, बालासोर ओडिशा	**श्री सौरभ राठी** मे. एसोसियेटेड प्लास्टिक प्रा. लि., बालासोर, ओडिशा
श्री शेर सिंह के. पितांबर पांडा, बामपदा, बालासोर, ओडिशा	**श्री सोनु खण्डेलवाल** मे. श्री कृष्ण आटमोबाईल्स शेरगढ़, बालासोर, ओडिशा	**श्री सुभम अग्रवाल** रेमुना गोलेई, बालासोर ओडिशा	**सी.ए. विनीत मोर** विवेकानंद मार्ग, बालासोर ओडिशा	**श्री अजय कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री अंजय कुमार अग्रवाल केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री अंकित कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री विवेक कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बिक्रम अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री बिनोद अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री चंदे राम अग्रवाल केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री गोपाल चंद्र अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री जगदिश अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्रीमती कविता अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री मनोज अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री मुकेश कुमार अग्रवाल कालाहांडी, ओडिशा	**श्री पप्पु चंद सेठ (अग्रवाल)** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री प्रेमचंद अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राज कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री राजेश अग्रवाल केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री राकेश कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री रोशन लाल अग्रवाल** केगाँव महालिगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री सतपल अग्रवाल केगाँव महालिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सोनु अग्रवाल** केगाँव महालिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री सुनिल कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री ताराचंद अग्रवाल** केगाँव महालिंगा, कालाहांडी, ओडिशा	**श्री तरुण कुमार अग्रवाल** केगाँव महालिंगा, कालाहांडी, ओडिशा
श्री आदित्य कुमार लच्छीरामका भेरवा रोड, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री अमर नाथ डालमिया** काली झंडा रोड, देवघर, झारखण्ड	**श्री अंकित लच्छीरामका** भेरवा रोड, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री दीपक डालमिया** मे. पूजा एजेंसी, रामजस रोड, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री दीपक कुमार जैन** जैन टेंपल के पास, स्टेशन रोड, गिरिडीह, झारखण्ड
श्री दिपक चिरानिया बी.बी. भवन, बाल गनेश के पास, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री कमल कुमार लाठ** अलकानंदा एपार्टमेंट, आमला टोला चाईबासा, झारखण्ड	**श्री कमल कुमार सिंघानिया** मे. के.एस. टेक्सटाईल, गांधी चौक, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री मनोज डालमिया** जगन्नाथ गुटगुटिया रोड, देवघर, झारखण्ड	**श्री मुकेश कुमार अग्रवाल** एस.सी. मुखर्जी रोड, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड
श्री मुकेश कुमार जालान मारुती टावर, तिरंगा चौक, टुंडी चौक, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री रहिश कुमार शर्मा** गांधी चौक, एच.सी. घोष लेन, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री रवि कांत अग्रवाल** मे. अग्रवाल ड्रेसेस, गांधी चौक, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड	**श्री संजीत जालान** मे. ट्रेडस् ऑफ इंडिया, शॉप नं.- ४, बरगंडा, गिरिडीह, झारखण्ड	**श्री शरद कुमार मोहंका** ओंकारमल गुटगुटिया रोड, मधुपुर, देवघर, झारखण्ड
श्री शिव कुमार खेतान डी-१०२, नंदिनी-२, वेश आभावा रोड, सूरत, गुजरात	**श्री अभिषेक कुमार लाडला** ई-३०३, मंत्र हैपी होम्स, आई.आई.ई सीडकल, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्री अलोक सारस्वत** मे. कंज प्रोडक्टस प्रा.लि. हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्री अमित टिबड़ेवाल** क्यू-२८२, शिवालिक नगर सीडकल, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्री कैलाश चंद्र पारीक** ३/ए, सेक्टर-२, आई.आई.ई सीडकल, हरिद्वार, उत्तराखण्ड
श्री लोकेश लोहिया मे. अफिन स्टील प्रा. लि.प्लट-९८, सेक्टर-७, सीडकल, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्री नवीन खैतान** वृन्दावन एपार्टमेन्ट, फ्लैट-२०१ मथुरा विहार, रूड़की, उत्तराखण्ड	**श्री प्रवीण कुमार** २६, विवेकानंद एनक्लेव, कनखाल, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्री राहुल खैतान** फ्लेट-२०१, वृन्दावन एपार्टमेन्ट मथुरा बिहार, रूड़की, उत्तराखण्ड	**श्री राजीव अग्रवाल** मंत्र हैपी होम, प्लाट-५३ सीडकल, हरिद्वार, उत्तराखण्ड
श्री राजेश कुमार अग्रवाल हाउस नं.-बी१२, लस्कर रोड, जगजीतपुर, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्री तुलसीराम शर्मा** महिमा निवास, जमनोत्री विहार, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्री उमा शंकर मिश्र** सत्कृति, ३/१६ आनन्द विहार, देरादुन, उत्तराखण्ड	**श्री विजय सरस्वत** प्लाट नं.-३०सी, सेक्टर-८बी, सीडकल, हरिद्वार, उत्तराखण्ड	**श्रीमती अनिता जैन** संदीप भवन, २३ क्रस बनशंकरी, सेकन्ड स्टेज, बैंगलोर, कर्नाटक
श्रीमती अंजु अग्रवाल ५४, कृष्ण कुंज, जे.पी. नगर, बैंगलोर, कर्नाटक	**श्रीमती आशा मित्तल** बी.एस.के. सेकेन्ड स्टेज, बैंगलोर, कर्नाटक	**श्रीमती हेमलता अग्रवाल** शोभा इंद्रप्रस्थ, फ्लैट नं.-२०११, राजाजीनगर, बैंगलोर, कर्नाटक	**श्रीमती हेमलता सनवारिया** जे.पी. नगर, तृतीय फेज, बैंगलोर, कर्नाटक	**श्रीमती कविता गर्ग** २०१, गुरुकृपा, फास्ट ब्लॉक, कल्याण नगर, बैंगलोर, कर्नाटक

COLORS
BY RUPA
pep
Follow Us: @LiveColors
#1001
#1002
SCAN & EXPLORE
pep collection
AVAILABLE COLOURS
pep up
your
inner self
NEWLY LAUNCHED
Newborn & Infant Wear
Peek a boo
AGE : 0-12 Months
Toll-Free No.: 1800 1235 001
Shop @ rupaonlinestore.com | livecolors.in | amazon.in

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 27th August, 2024
RNI Regd. No. 2866/1968

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com